

एसआईआर पर ममता ने कहा, आग से मत खेलो, दंगे होंगे

जब सीएम ही दंगा कराने की धमकियां देने लगे तो..!

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद को सुप्रीम कोर्ट से भी सुप्रीम मानने लगी हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) को सुप्रीम कोर्ट ने भी उचित ठहराया, लेकिन ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ आग उगल रही हैं और यह धमकी दे

रही हैं कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर हुआ तो वे राज्य को दंगे की आग में झोंक देंगी। प्रदेश में संविधान और कानून की शीर्ष पीठ पर आसीन ममता बनर्जी खुलेआम कानून को चुनौती दे रही हैं और प्रदेश को दंगे की आग में झोंकने की धमकियां दे रही हैं, लेकिन उनके समक्ष कानून बौना साबित हो रहा है। यह बात आम लोगों को

समझ में आनी चाहिए, जिन्हें तुच्छ कानूनी अवहेलना पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई झेलनी पड़ती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप को गलत बताया और कहा कि भारत की आंतरिक व्यवस्था और घुसपैठ के मुद्दे पर राजनीति करना देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि



मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर बौखला गई ममता बनर्जी

अगर घुसपैठ जारी रही तो देश धर्मशाला बन जाएगा। घुसपैठ को राजनीतिक नजरिए से नहीं बल्कि देशहित के नजरिए से देखा जाना चाहिए। अमित शाह ने घुसपैठियों को राजनीतिक संरक्षण देने की गतिविधि पर सख्त आपत्ति की और कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण के लिए निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

एसआईआर चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। अगले साल पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस प्रक्रिया का जोरदार विरोध किया है और इसके खिलाफ व्यापक और घातक विरोध की

चेतावनी दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का कहना है कि फर्जी वोटों के कटने के डर से ममता बनर्जी इसका विरोध कर रही हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी और कहा, आग से मत खेलो। जनता के आक्रोश के लिए तैयार रहो।

►10पर

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ भारत का राजनयिक संबंध स्थापित

भारत दौरे पर आए अफगानी विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने कहा

करीबी दोस्त भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान ने कहा है कि भारत उसका करीबी दोस्त है और अफगानिस्तान भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देगा। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने भारत दौरे पर यह महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने

एस जयशंकर का ऐलान :
चार साल बाद काबुल में खुलेगा भारतीय दूतावास

कहा कि अफगानिस्तान भारत को एक करीबी मित्र राष्ट्र के रूप में देखता है। अफगानिस्तान की यह घोषणा इस वक्त अधिक अहम इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ भी मोर्चा खोल रखा है और अफगानिस्तान पर बम गिरा रहा है। जिस समय अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और उनका प्रतिनिधिमंडल भारत के दौरे पर आया, उस दरम्यान भी पाकिस्तान ने



काबुल पर बमबारी करने से परहेज नहीं किया। अफगानिस्तान और भारत के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर करार हुए और दोस्ताना संबंधों को प्रगाढ़ करने की दिशा में कई जरूरी फैसले लिए गए। चार वर्ष बाद भारत ने काबुल में फिर से भारतीय दूतावास खोलने की घोषणा की है।

भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के

कई रणनीतिक एवं व्यापारिक मसलों पर हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय समक्ष डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भारत को अफगानिस्तान का करीबी दोस्त देश बताया और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की मांग की। मुत्तकी ने कहा कि दिल्ली आकर अच्छा लग रहा है और यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर करेगा। ►10पर

पूरे देश में शुरू होगी एसआईआर की चरणबद्ध प्रक्रिया

पांच राज्यों में पहले शुरू होगा एसआईआर

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू करेगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत उन राज्यों से हो सकती है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची संशोधन अभियान नहीं चलाएगा जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं या हो रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव मशीनरी, निकाय चुनाव में व्यस्त है और इसके चलते वे एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएंगे।

गौरतलब है कि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में साल 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांच राज्यों के अलावा पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। बिहार में एसआईआर का काम पूरा हो गया है, जहां 30 सितंबर को लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची प्रकाशित की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि सभी राज्यों में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण शुरू करने का काम चल रहा है और इसे शुरू करने पर अंतिम फैसला चुनाव आयोग द्वारा लिया जाएगा।

चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में एक सम्मेलन में राज्य के मुख्य



बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु कतार में पहले

चुनाव अधिकारियों (सीईओ) से अगले 10 से 15 दिनों में एसआईआर शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने राज्यों की मतदाता सूचियों को अंतिम एसआईआर के बाद प्रकाशित रखें। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची है, जब राष्ट्रीय राजधानी में अंतिम बार गहन पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में, अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था, और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर है। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची की अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच थी।

►10पर

आरएसएस के स्वयंसेवकों का कत्लगाह बना केरल, सैकड़ों मारे गए

स्वयंसेवकों की हत्या के 15 साल बाद भी नहीं मिला न्याय

कन्नूर (केरल), 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल में पंद्रह साल पहले आरएसएस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या के मामले ने राज्य की कानून-व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया था। अब इसी मामले में अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। कन्नूर के थालास्सेरी अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार अभियोजन पक्ष ठोस सबूत पेश करने में विफल रही। अब सवाल उठता है कि आखिर ये सभी हत्याकांड में शामिल नहीं थे तो हत्या किसने की? क्या



हत्याकांड में शामिल अब्बास और शमील समेत 14 आरोपी बरी

पुलिस ने गलत नाम एफआईआर में दर्ज किए? यदि ऐसा है तो पुलिस पर कार्रवाई के निर्देश अदालत ने क्यों नहीं दिए और क्यों नहीं राज्य सरकार की इस मामले में जिम्मेदारी तय की?

कोर्ट का निर्णय बुधवार को सामने आया है। इस हत्याकांड में 16 आरोपी थे जिसमें से दो की मौत ट्रायल के दौरान हो चुकी है, जबकि बाकी 14 आरोपी केके मुहम्मद शफी, के शिनोज, टी सुजीत, टीके सुमेश, राहुल, केवी विनेश, पीवी विजिथ, फैसल, सारिश, टीपी शमील, एके शम्मास, केके अब्बास, एनके सुनील कुमार उर्फ कोडी सुनी, और टीपी सजीर अब अदालत से बरी कर दिए गए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ►10पर

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का मसला

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

एक महीने में केंद्र को जवाब देने का निर्देश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को चार हफ्ते में जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिकाओं में केंद्र से सुप्रीम कोर्ट के दिसंबर 2023 के फैसले के अनुरूप कार्रवाई की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

जम्मू-कश्मीर से संबंधित याचिकाएं शिक्षाविद जहर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई लोगों ने दाखिल की हैं। इन याचिकाओं के जरिए यह मांग की गई है कि केंद्र सरकार दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए वादे के अनुसार जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य का दर्जा दे। इस मामले में याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 370 को रद्द करने को सही ठहराया गया था और केंद्र को जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव सितंबर 2024 तक कराने और जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने का निर्देश दिया गया था। ►10पर



वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को मिला शांति का नोबेल

...ट्रंप को न खुदा मिला, न विसाले सनम

स्टॉकहोम (स्वीडन), 10 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न खुदा मिला, न विसाले सनम। यानि, यह पुरानी कहावत कहती है कि खुदा की बात तो छोड़िए, उन्हें अपनी प्रेमिका का दर्शन भी नसीब नहीं हो पाया। नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने के लिए अवांछित हरकतों पर उतरने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को



झुंझलाहट के सिवा कुछ भी नहीं मिला। नोबेल पुरस्कार तय करने वाली समिति ने शांति स्थापना के लिए वेनेजुएला की मुख्य



विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

इस पुरस्कार से वंचित रह गए। खीझे हुए ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा को राजनीतिक फैसला बताया। वेनेजुएला की मुख्य विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो फिलहाल अपने ही देश में भूमिगत हैं। वेनेजुएला की आयरन लेडी के नाम से मशहूर मारिया कोरिना मचाडो का नाम टाइम पत्रिका की 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में

प्रकाशित हुआ। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा करते हुए नोबेल समिति की अध्यक्ष ने मचाडो को शांति की एक साहसी और प्रतिबद्ध समर्थक बताया और कहा कि वह महिला बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती है। पुरस्कार की घोषणा के दौरान नोबेल समिति ने कहा कि वह वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को ►10पर

DON'T MISS OUT!

DISCOVER AND SHOP THE

DIWALI BRIDAL MUST-HAVES!

HI LIFE BRIDES
BRIDAL COUTURE | JEWELLERY | ACCESSORIES

11 & 12 OCT

OVER 350+ OF THE FINEST DESIGNERS

NOVOTEL
HYDERABAD CONVENTION CENTRE

10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.100



वे हनीमून का शेड्यूल..., तृषा कृष्णन ने शादी पर दिया रिएक्शन

पर्सनल लाइफ की प्लानिंग पर किया क्रिटिक पोस्ट

पे न इंडिया एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की शादी की अफवाहें चल रही है। इस पर अब उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। कहा जा रहा है कि वह चंडीगढ़ के एक बिजनेसमैन से शादी करने जा रही हैं। तृषा ने शादी चर्चाओं पर इंस्टाग्राम पर एक तंज भरा पोस्ट लिखते हुए लोगों से उनके हनीमून प्लान करने की भी बात कही। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने शादी की अफवाहों को खारिज कर दिया है। यानी 42 साल की तृषा शादी नहीं कर रही हैं। उनकी शादी की खबरें सिर्फ अफवाहें ही हैं।

तृषा कृष्णन ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, मुझे पसंद है जब लोग मेरे लिए पर्सनल लाइफ की प्लानिंग बनाते हैं। बस इंतजार कर रही हूं कि वे हनीमून का शेड्यूल भी बना दें। इसके साथ उन्होंने एक स्माइली इमोजी अपने कैप्शन में शामिल किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया कि तृषा कृष्णन की फैमिली और बिजनेसमैन के फैमिली दोनों ने इस शादी को मंजूरी दे दी है।

सूत्रों का दावा है कि परिवार एक-दूसरे को सालों से जानते हैं। हालांकि, तृषा ने खुद किसी भी शादी की पुष्टि नहीं की है। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट अफवाहों को औपचारिक बयान के बिना मजाकिया तरीके से खारिज करती दिख रही है। तृषा शादी को लेकर पहले भी बोल चुकी हैं कि अगर उन्हें सही पर्सनमिलता है तो वह शादी के लिए तैयार हैं, लेकिन समय सही होना चाहिए। तृषा के पेरेंट्स ने रिपोर्ट्स पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

बता दें, तृषा कृष्णन ने साल 2015 में बिजनेसमैन वरुण मणियन से सगाई की थी, लेकिन करियर को लेकर मतभेदों के कारण यह रिश्ता टूट गया। तृषा ने अपने प्रोफेशनल करियर को प्राइोरिटी दी है। तब से, उन्होंने अपने पर्सनल लाइफ को काफी हद तक निजी रखा है। हालांकि, तृषा का नाम थलापति विजय संग सालों से जुड़ता आ रहा है। दोनों ने साथ में कई हिट्स दी हैं।

तृषा कृष्णन और थलापति विजय की करीबी और बॉन्डिंग देखकर फैंस उनके रिलेशनशिप में होने के कयास लगाते आ रहे हैं। खासकर 2023 की फिल्म 'लियो' में दोनों के साथ काम करने के बाद। हालांकि, दोनों ने लगातार कहा है कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। विजय की शादी 1999 से संगीता सोरनालिगम से हुई है और उनके दो बच्चे हैं।

हेमा मालिनी ने रेखा को दी जन्मदिन की बधाई बताया कितना करीबी है दोनों का रिश्ता

हिंदी सिनेमा की डीम गर्ल हेमा मालिनी के चाहने वालों की कमी नहीं है। एक्ट्रेस 76 साल की उम्र में भी राजनीति और नृत्यकला में सक्रिय हैं, लेकिन इसी के साथ वे अपने करीबी लोगों पर प्यार लुटाने का मौका नहीं छोड़ती। हेमा मालिनी ने बॉलीवुड की आइकॉनिक अभिनेत्री रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है और अपनी माताओं के लिए भी दिल को छू जाने वाली बात कही है। डीम गर्ल हेमा मालिनी ने अपनी करीबी दोस्त रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा के साथ अपनी पुरानी फोटोज शेयर की हैं और कैप्शन में लिखा है, आज एक बहुत ही प्यारी दोस्त रेखा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! अंदर से बाहर तक खूबसूरत, आइकॉनिक, उम्र से परे खूबसूरत रेखा इस इंडस्ट्री में मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक रही हैं, हमेशा मेरी अच्छी सेहत की कामना करती रही हैं। एक्ट्रेस ने आगे लिखा, हम दोनों की मां हमारी प्रेरणा शक्ति थीं और हिंदी सिनेमा में हमारे करियर बनाने की जिम्मेदार रही हैं। रेखा और मेरी जातीय पृष्ठभूमि हमें एक साथ बांधती है और हम अक्सर तमिल में पूरी आत्मीयता से बात करते हैं...ईश्वर



से प्रार्थना है कि वह प्यारी रेखा को जीवन भर खुशियां और संतुष्टि प्रदान करें। हेमा मालिनी की बड़ी बेटी और एक्ट्रेस ईशा देओल ने भी रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है।

ईशा ने लिखा, हैप्पी बर्थडे, रेखा जी, आपको बहुत-बहुत सारा प्यार और स्वास्थ्य भेज रही हूँ। हेमा के अलावा जैकी श्राफ ने भी रेखा को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा की पुरानी फोटोज का एक वीडियो अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है। जैकी ने वीडियो पर रेखा की फिल्म का ही गाना 'आपकी आंखों में कुछ' लगाया है और जन्मदिन की बधाई दी है। इसके अलावा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेठ्टी ने भी रेखा के साथ फोटो पोस्ट कर जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने रेखा को 'रेखा मां' कहकर संबोधित किया है।

उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे रेखा आप ही हमेशा सिनेमा की ओजी रहेंगी।' रेखा आज 71वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में बतौर एक्ट्रेस 'अंजाना सफर' से डेब्यू किया था, लेकिन फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया। फिल्म को दोबारा एक दशक बाद दूसरे नाम से रिलीज किया गया। इस फिल्म से रेखा

को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन रेखा उसी वक्त 'सावन-भादों' की शूटिंग कर रही थी। इस फिल्म ने न सिर्फ पदों पर अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि रेखा की जिंदगी भी बदल दी।

दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी में रिधिमा तिवारी बनीं एक रहस्यमयी राक्षसी

रहस्य, शक्ति और फैटेसी से भरी दुनिया में कदम रखते हुए, अभिनेत्री रिधिमा तिवारी अब सन नियो के लोकप्रिय शो 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में एक नई ऊर्जा लेकर आ रही हैं। शो में उनकी एंट्री शक्तिशाली राक्षसी के रूप में होगी, जिससे कहानी एक अप्रत्याशित और रोमांचक मोड़ लेगी। उनके आने से दर्शकों को भरपूर ड्रामा, रहस्य और अलौकिक ट्रिस्ट देखने को मिलने वाला है। अपना अनुभव साझा करते हुए रिधिमा तिवारी ने कहा, मैं इस शो का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ, क्योंकि इस प्रोडक्शन हाउस के साथ यह मेरा पहला अनुभव है। हमारी टीम बहुत शानदार है,

भले ही मैं शो में छह महीने बाद जुड़ी हूँ, लेकिन सभी ने मेरा पूरा सहज भाव से स्वागत किया। एक कलाकार के रूप में अपने हर किरदार को ईमानदारी से निभाना हमारी जिम्मेदारी होती है और मैं इसे पूरी गंभीरता से निभाती हूँ। मेरे किरदार का लुक बेहद खास और अनोखा है। स्टाइलिंग और डिज़ाइनिंग में टीम ने जो मेहनत की है, वह बहुत ही जबरदस्त और सराहनीय है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, मैं राक्षसी का



किरदार निभा रही हूँ। यह किरदार सौ वर्षों की तपस्या के बाद अपनी आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग कर शहर में नकारात्मक ऊर्जा फैला रही है। वह सीधे हीरोइन से नहीं लड़ती, बल्कि अलग-अलग शक्तियों को नियंत्रित कर पूरे उज्जैन शहर में विनाश फैलाती है। हर बार वह इन ऊर्जाओं को दिशा देती है, जिससे उसका किरदार और भी शक्तिशाली और कई उतार-चढ़ाव से भरा है। चूँकि यह एक फैटेसी थ्रिलर है, इसलिए इसमें कई दिलचस्प मोड़ और ट्रिस्ट देखने को मिलेंगे, जिन्हें बच्चे और परिवार दोनों पसंद करेंगे। यह किरदार पूरे समर्पण, ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करता है, लेकिन मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूँ।

'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' उज्जैन की एक लड़की दिव्या की कहानी है, जिसकी जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है जब उसकी मुलाकात प्रेम से होती है। प्यार, रहस्य और बीते समय के छिपे सच से बुनी यह कहानी परंपरा और तकनीक के संगम को खूबसूरती से दर्शाती है। शो में मेघा रे और सुरज प्रताप सिंह मुख्य भूमिकाओं में हैं।

राक्षसी



बॉलीवुड में नई पीढ़ी के स्टार: अनीत पट्टा और कावेरी कपूर जैसे युवा टैलेंट जो सबका ध्यान खींच रहे हैं

बॉलीवुड में एक नई लहर चल रही है और यह अपने साथ कई नई प्रतिभाओं को लेकर आ रही है, ऐसे युवा चेहरे जो बड़े पर्दे पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। चाहे ये स्टार किड्स हों या खुद के दम पर आगे बढ़ने वाले नए चेहरे, इन उभरते सितारों में है अलग पहचान, स्टाइल और शानदार प्रतिभा।

कुछ पहले से सुर्खियों में हैं, तो कुछ अपने ग्रैंड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं। आइए, नज़र डालते हैं बॉलीवुड की अगली पीढ़ी के उन चेहरों पर, जो आने वाले वर्षों में इंडस्ट्री की दिशा तय कर सकते हैं।

अनीत पट्टा: अपनी शानदार स्क्रीन उपस्थिति और दिलकश व्यक्तित्व के साथ, अनीत पट्टा ने 'सैयारा' से हर घर में पहचान बनाई। अपनी मनमोहक परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने के बाद अब उन्हें बॉलीवुड की सबसे रोमांचक नई अभिनेत्रियों में गिना जा रहा है। कावेरी कपूर: प्रसिद्ध फिल्म निर्माता शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी, कावेरी कपूर सिर्फ एक स्टार किड नहीं हैं - वह एक बहुमुखी कलाकार हैं। एक गायिका, गीतकार और अब अभिनेत्री के रूप में, कावेरी ने 'बाँबी और ऋषि की लव स्टोरी' से शानदार डेब्यू किया। उनकी उपस्थिति पर्दे पर एक ताज़गी और कलात्मक गहराई लाती है। उनके पास कई प्रोजेक्ट भी हैं, जिनमें मासूम 2 और एक सिंगल शामिल है जो जल्द ही रिलीज़ के लिए तैयार है।

राशा थडानी: रवीना टंडन की बेटी राशा अपनी खूबसूरत पर्सनालिटी और आकर्षक लुक्स के लिए सुर्खियाँ बटोर रही हैं। अपने डेब्यू के साथ, वह सिनेमा में अपनी राह खुद बनाने की तैयारी में हैं और प्रशंसकों व फिल्म निर्माताओं दोनों की उन पर कड़ी नज़र है।



है। वीर पहाड़िया: वीर पहाड़िया ने अपनी पारिवारिक राजनीतिक बैकग्राउंड से हटकर एक अलग रास्ता अपनाया और स्काई फ़ोर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत की। एक रहस्यमयी आभा और कहानी कथने में गहरी रुचि के साथ, वह देखने लायक सबसे दिलचस्प नामों में से एक हैं।

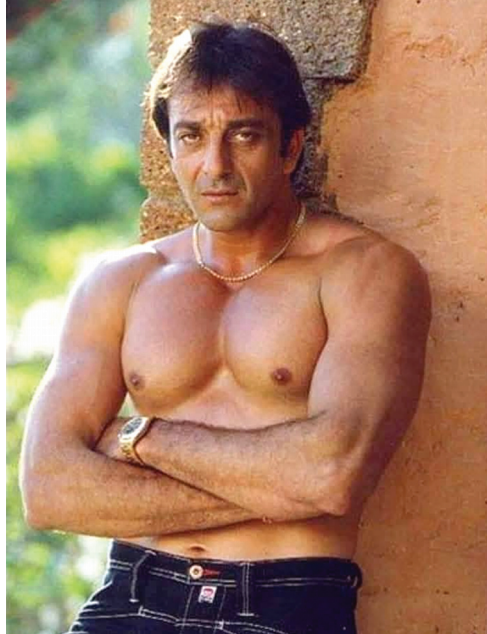
स्टार परिवारों से लेकर अपने दम पर पहचान बनाने वाले कलाकारों तक - ये सभी युवा अभिनेता बॉलीवुड के बदलते चेहरे का प्रतीक हैं। साहसी, विविधतापूर्ण और बेबाक महत्वाकांक्षी, ये नई पीढ़ी के अभिनेता अपने साथ प्रतिभा, प्रयोग और वैश्विक अपील का एक ताज़ा मिश्रण लेकर आ रहे हैं। जैसे-जैसे इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है, एक बात तय है - बॉलीवुड का भविष्य बेहद उज्ज्वल है, और ये नाम उसकी राह रोशन कर रहे हैं।

पूजा भट्ट ने सुनाया फिल्म दुश्मन का किस्सा, कैसे संजय दत्त ने दक्षिण अफ्रीका में बारटेंडर को डराया था

अभिनेत्री-फिल्म निर्माता पूजा भट्ट अपने पॉडकास्ट 'द पूजा भट्ट शो' में फिल्मों से जुड़ी पुरानी यादें शेयर कर रही हैं। इसकी कुछ क्लिप्स वो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर करती हैं। पूजा भट्ट ने पुरानी यादों में खोकर 1998 में दक्षिण अफ्रीका में फिल्म 'दुश्मन' की शूटिंग के पलों को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे संजय दत्त के डर के चलते एक बारटेंडर उनसे छिपता दिखाई दिया था। पूजा भट्ट ने अपने शो में फिल्म की निर्देशक तनुजा चंद्रा से बात की। इस दौरान उन्होंने 'दुश्मन' की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा, जब हम दक्षिण अफ्रीका गए थे और केप टाउन के विकटोरिया होटल में ठहरे थे, वह समय बहुत ही मजेदार था। मुझे लगता है कि संजू (संजय दत्त) मेरे पिता के साथ कारतूस की शूटिंग से पहले भी वहां गए थे और वह पहले से ही वहां ठहरे हुए थे। उन्होंने आगे कहा, और जब हम लॉबी में गए तो बार बारटेंडर ने हमें होटल में घुसते देख लिया और डर के मारे छिपने लगा। तो मैं हैरान रह गई और मैंने पूछा कि तुम हमसे यहां ऐसे क्यों छिप रहे हो? तब बारटेंडर ने डरते हुए कहा, वो जो गेस्ट हैं ना, उनकी वजह से हम किसी मुसीबत में न फंस जाए इसलिए छुप रहे हैं। पिछली बार हम उनके लिए शराब के एक्स्ट्रा बॉक्स मंगवाने पड़े थे क्योंकि शराब खत्म हो गई थी।

पूजा भट्ट ने यह भी बताया कि कैसे सुबह जल्दी उन लोगों को शूटिंग के लिए जाना था, तब संजय दत्त चाह रहे थे कि यह शाम कभी खत्म न हो।

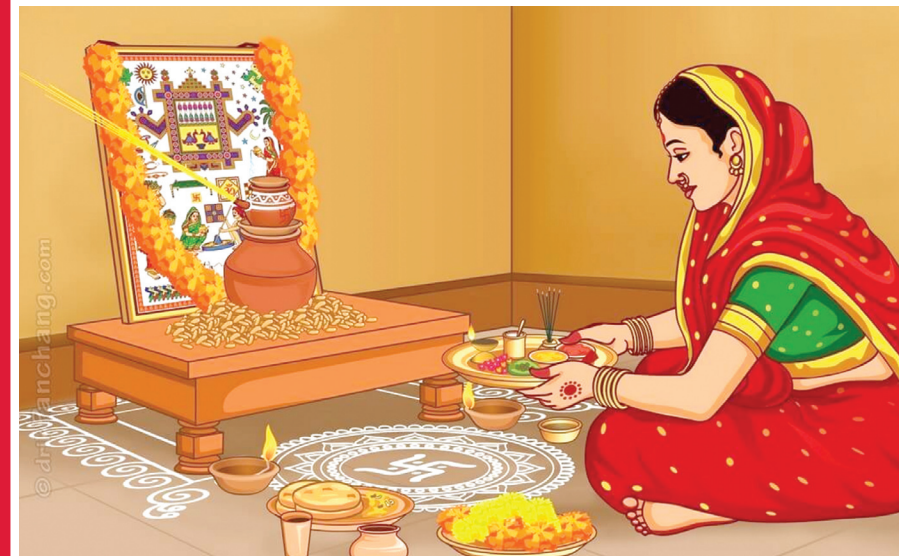
पूजा भट्ट ने तनुजा से कहा, और मुझे याद है एक शाम हमारी सुबह-सुबह शूटिंग थी और तुम कहती रही कि चलो सब सो जाओ क्योंकि हमें जल्दी उठकर निकलना है और संजू शाम खत्म नहीं करना चाहता था और मेरे भी कुछ प्लान्स थे। तुम ऊपर गई और संजू भी गलियारे में टहल रहा



था और तुमने कहा, 'संजय दत्त, सो जाओ।' तो वह तुम्हारे कमरे में आया और तुमसे बात करने लगा था। उन्होंने आगे कहा, और मैं दरवाजे के पास गई और सुनने लगी, तभी अचानक दरवाजा खुल गया और मैं तुम्हारे कमरे में गिर गई। तुम उस पर चिल्ला रही थी, फिर अचानक जोर से हंस पड़ी। तुमने बताया कि संजय दत्त काफी हाई थे और कह रहे थे कि ये शाम कभी खत्म न हो।

फिल्म 'दुश्मन' को पूजा भट्ट और उनके पिता ने प्रोड्यूस किया था। इसमें काजोल, संजय दत्त और आशुतोष राणा लीड रोल में थे।

13 को रखा जायेगा अहोई अष्टमी व्रत



सभी जगह दिपावली की तैयारी घरों सहित बाजारों में शुरू हो चुकी है। भारतीय पंचांग के अनुसार, कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस जिन अहोई माता का व्रत रखा जाता है। 13 अक्टूबर को अहोई अष्टमी व्रत भी रखा जायेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं। इस बार कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:24 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 14 अक्टूबर को 11:09 मिनट पर होगा। अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। भारतीय हिंदू महिलाओं के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि माताएं अपने बच्चों के दीर्घायु और स्वस्थ रहने के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। संध्या के समय तारों को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

अहोई अष्टमी व्रत का महत्व बहुत ही खास माना गया है। इस व्रत को करने से आपकी संतान खुशहाल होने के साथ ही दीर्घायु भी होती है। हर प्रकार के रोगों से उनकी रक्षा होता है और स्याऊं

माता बच्चों का भाग्य बनाती हैं और उनको हर बुरी नजर से बचाती हैं। इस व्रत को करने से आपके घर में सुख समृद्धि बढ़ती हैं और आपके घर में बच्चे करियर में खूब तरक्की करते हैं। यह व्रत सूर्योदय से लेकर सूर्यास्त तक रखा जाता है और बिना अन्न जल ग्रहण तारों को जल अर्पित करने के बाद ही यह व्रत खोला जाता है।

अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पारण शाम के समय किया जाता है। पारण करने से पहले माताएं तारों को अर्घ्य देती हैं और अपने घर की संतानों की सुरक्षा और खुशहाली की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन रखे गए व्रत से बच्चों का जीवन सुखमय, लंबी आयु वाला और स्वस्थ रहता है। इस व्रत का पालन करने से परिवार में खुशहाली और संतानों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अहोई अष्टमी का व्रत माताएं कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि को रखती हैं और इस बार कार्तिक कृष्ण अष्टमी तिथि 13 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:24 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन 14 अक्टूबर को 11:09 मिनट पर होगा। अहोई अष्टमी इस साल 13 अक्टूबर को

मनाई जाएगी।

अहोई अष्टमी शुभ मुहूर्त

अहोई अष्टमी के लिए पूजा का सर्वोत्तम समय शाम 05:53 मिनट से लेकर 07:08 मिनट तक रहेगा। कुल मिलाकर पूजा का शुभ मुहूर्त 1 घंटे 15 मिनट तक रहेगा। तारों का दर्शन कर व्रत के पारण का समय शाम को 06:28 मिनट से शुरू हो जाएगा। वहीं, चंद्रोदय का समय रात 11:40 मिनट है। कुछ स्थानों पर चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलने की परंपरा है।

महत्व

अहोई अष्टमी दीवाली से आठ दिन पहले और करवा चौथ के चार दिन बाद आती है। इस दिन माताएं निर्जल व्रत का संकल्प लेती हैं। शाम के समय महिलाएं अहोई देवी की पूजा-अर्चना करती हैं। कई जगहों पर तारों के दर्शन कर उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। मान्यता है कि निसंतान महिलाओं द्वारा इस व्रत को करने से माता अहोई के आशीर्वाद से उन्हें भी संतान का सुख प्राप्त होता है।

कौन हैं अहोई माता

अहोई माता को मां पार्वती का रूप माना जाता है। इन्हें खासतौर पर संतानों की रक्षा और उनकी लंबी उम्र देने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इनकी पूजा करने से महिलाओं की कुंडली में ऐसे योग बनते हैं, जो बांझपन, गर्भपात, संतान की असमय मृत्यु और दुष्ट संतान से जुड़ी समस्याओं को दूर करते हैं।

पौराणिक कथा के अनुसार, अहोई माता का रूप साही (नेवला) के रूप में दर्शाया गया है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में एक महिला, जो अपने पुत्रों की मां थी, जंगल में मिट्टी खोदते समय गलती से साही के बच्चों की मार देती है। इसके बाद वह महिला देवी से क्षमा याचना करती है। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी उसे आशीर्वाद देती हैं कि उसकी संतान सुरक्षित रहेगी। तभी से माताएं अहोई माता की पूजा कर अपनी संतान की दीर्घायु और कल्याण की कामना करती हैं।

कार्तिक मास में क्या खाएं क्या नहीं खाएं, खान-पान के इन नियमों का ध्यान रखने से लक्ष्मी नारायण की कृपा होगी प्राप्त

कार्तिक मास की शुरुआत 7 अक्टूबर, मंगलवार से हो चुकी है। इस महीने का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है और इसे बेहद पवित्र माना गया है। इस दौरान विष्णुजी नारायण रूप में जल में विराजमान रहते हैं। ऐसे में इस माह को धर्म मास भी कहा जाता है। इसलिए इस महीने के दौरान कुछ बातों का ध्यान जरूर रखना चाहिए और खान-पान से जुड़े नियमों का ख्याल रखना भी आवश्यक होता है। शास्त्रों में कार्तिक मास में खान-पान के कई नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है और लक्ष्मी-नारायण की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आने के संयोग बनते हैं।

कार्तिक मास में बैंगन से करें परहेज

मान्यता है कि कार्तिक मास में बैंगन खाने से बचना चाहिए। कहा जाता है कि इस महीने के दौरान पित्त दोष संबंधित समस्याएं होने का भय अधिक रहता है। वहीं, बैंगन खाने से पित्त दोष बढ़ सकता है। यही कारण है कि कार्तिक के महीने में बैंगन खाने के मनाही होती है। उतेजना वर्धन होने के चलते बैंगन को धार्मिक दृष्टि से शुद्ध नहीं माना जाता है और इस महीने के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

कार्तिक मास में न खाएं दही

इस अवधि के दौरान दही खाने की मनाही होती है, क्योंकि इसे कार्तिक मास में स्वास्थ्य के लिए सही नहीं माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक के महीने में दही खाना संतान के लिए अच्छा नहीं होता है। हालांकि, इस अवधि में आप दही की जगह दूध का सेवन कर



सकते हैं।

भूलकर भी न खाएं मछली

कार्तिक के महीने में तामसिक भोजन करना वर्जित माना जाता है। धार्मिक दृष्टि से इस अवधि में विशेष रूप से मछली का सेवन करना शुभ नहीं माना जाता है। कहा जाता है कि इस महीने में भगवान विष्णु जल में अपने मत्स्य अवतार के रूप में होते हैं। यही कारण है कि कार्तिक के महीने में मछली का सेवन करना वर्जित माना गया है। इसके अलावा, आषाढ़ में अधिक वर्षा और बाढ़ आने से जल प्रदूषित हो जाता है। ऐसे में वैज्ञानिक दृष्टि से भी इसका सेवन करना सही नहीं माना जाता है।

करेले का सेवन करना है वर्जित

माना जाता है कि कार्तिक मास में करेला का सेवन करने से भी बचना चाहिए। इसे वातकारक माना गया है और इसमें कभी-कभी कीड़े भी लग जाते हैं। ऐसे में अगर आप इस समय करेला खाते हैं तो स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि कार्तिक मास में

करेले का सेवन करना सही नहीं माना जाता है।

मूली का सेवन करने से मिलेगा लाभ

कार्तिक मास में कुछ चीजों को खाना सही नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ चीजों का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना गया है। माना जाता है कि इस महीने में मूली खाना बेहद लाभदायक सिद्ध हो सकता है। इस मौसम में कफदोष और पित्तदोष जैसी समस्याएं होने का भय होता है। ऐसे में मूली का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कार्तिक मास में खाएं आंवला

इस महीने में आंवला नवमी मनाई जाती है, जिसमें आंवले के वृक्ष और भगवान विष्णु की पूजा करने का विधान होता है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी कार्तिक के महीने में आंवला खाना बहुत फायदेमंद माना गया है। इससे जातक के सेहत पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। कार्तिक के महीने में आंवला नवमी पर आंवले की वृक्ष की पूजा करने से लक्ष्मी-नारायण का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

कार्तिक के महीने में जरूर करें ये काम

इस अवधि में खान-पान से जुड़े नियमों का ध्यान रखने के साथ-साथ एक काम भी अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि कार्तिक के महीने में नियमित रूप से भगवान विष्णु को तिल जलकर अर्पित करने चाहिए। साथ ही, इस दौरान तिल का सेवन करना भी लाभदायक माना जाता है। ऐसा करने से आपको विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वरिष्ठ योग का शुभ संयोग, वृषभ सिंह समेत अन्य राशियों में बना है लाभ का प्रबल योग

आज यानी 11 अक्टूबर को दिन शनिवार है। और आज के दिन तिथि रहेगी आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि। इस पर आज चंद्रमा का संचार वृषभ उपांतर कन्या राशि में होने जा रहा है। और इसके साथ ही आज के दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में गुरु के होने से शुभ संयोग में सुनफा योग बन रहा है और तो और आज सूर्य से नवम भाव में चंद्रमा का गोचर भी हो रहा है जिससे आज के दिन वरिष्ठ योग भी बन रहा है। और इसके साथ ही आज रोहिणी नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बना है जिससे आज का दिन वृषभ, सिंह, कन्या, वृश्चिक और कुंभ राशि के लिए विशेष रूप से लकी रहेगा। और शनि महाराज की कृपा का भी इन राशियों को आज फायदा मिलेगा। तो आइए जानते हैं आज का लकी राशिफल और साथ ही जानते हैं आज का शनिवार के उपाय भी।

वृषभ के लिए आज शनिवार का दिन कैसा है

वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। आपको आज अपने कार्यक्षेत्र में भाग्य सफल बनाएगा। जो जातक घर या जमीन खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको सफलता मिलने वाली है। आपके पिता से आपको आज फायदा मिलेगा। आप वैतृक संपत्ति का सुख प्राप्त कर पाएंगे। आपके लिए सितारे यह भी बताते हैं कि आपको दोस्तों से सहयोग और लाभ प्राप्त होगा। बिजनेस में आपकी कमाई बढ़ेगी। दिन भर व्यस्तता भी वजह से भी वैसे

आप थकान महसूस करेंगे। लेकिन जीवनसाथी और बच्चों के सपोर्ट और सहयोग से आप सकारात्मक महसूस करेंगे और आपकी थकान भी द्रुमंतर हो जाएगी।

उपाय : आपको आज के दिन पीपल को दीपक

दिखाना चाहिए और पीपल को अर्घ्य भी दें।

सह के लिए आज शनिवार का दिन कैसा है

सिंह राशि के लिए आज शनिवार का दिन सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके आर्थिक प्रयास सफल होंगे। आपको किसी वरिष्ठ व्यक्ति की मदद से फायदा हो सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी सफलता मिलेगी। बिजनेस करने वाले जातको को आज कोई लाभदायक डील मिलने की खुशी होगी। कामकाज के सिलसिले में की गई आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। किसी करीबी मित्र या संबंधी की मदद से आपको फायदा मिलेगा। जिन जातको के विवाह की बात चल रही है उनकी शादी तय होने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर किसी सफाईकर्म को कुछ पैसे देना चाहिए।

कन्या के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

कन्या राशि के लिए आज शनिवार का दिन भाग्यवर्धक रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा



मौका मिल सकता है। आपके अधिकारी आपके काम से प्रसन्न होंगे और आपके लिए उन्नति का संयोग बनेगा। जो लोग लोहा और धातु से संबंधित वस्तुओं का काम करते हैं उनको आज के दिन कोई बड़ा मौका मिलेगा। आपके लिए सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन पूर्व में किए गए निवेश का भी लाभ मिलेगा। जो लोग प्रॉपर्टी का काम करते हैं उनको आज आर्थिक लाभ मिलेगा। घर परिवार में भी आपके अनुकूल स्थिति रहेगी। आपको आज जीवनसाथी की मदद से भी आज फायदा हो सकता है। अगर आप फैमिली बिजनेस से जुड़े हुए हैं तो आपको फैमिली

का पूरा सपोर्ट मिलेगा।

उपाय : शनि स्तोत्र का पाठ करना आपके लिए शुभ लाभदायक होगा।

वृश्चिक के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन सफलतादायक रहेगा वैसे भाग्य के साथ इसमें परिश्रम का भी सहयोग रहेगा। आप अपनी बुद्धि और अनुभव का पूरा लाभ ले पाएंगे। किसी पुरानी समस्या का समाधान होने से आपको खुशी मिलेगी। बच्चों से संबंधित किसी समस्या का भी समाधान होगा। आर्थिक पक्ष आपका आज प्रबल रहेगा। आपके घर में आज

कोई सुख साधन आने की खुशी होगी। आपके लिए सितारे यह भी कहते हैं कि आपको आज के दिन लव लाइफ में प्रेमी के साथ रोमांटिक शाम बिताने का मौका मिलेगा। कहीं से आपको आज अचानक आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

उपाय : आज के दिन आपको उपाय के तौर पर श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कुंभ के लिए आज शनिवार का दिन कैसा रहेगा

कुंभ राशि के लिए आज शनिवार का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक रहेगा। आपका पैसा कहीं फंसा हुआ है तो आपको अपना धन वापस मिल सकता है। किसी मित्र या सगे संबंधी से मिलने का संयोग बन सकता है। आपको आज के दिन उपहार की प्राप्ति हो सकती है। राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का आपको फायदा मिलेगा। किसी उलझे हुए काम के सुलझ जाने से आप राहत की सांस लेगे। घर परिवार में भी आज सुख शांति का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। जो जातक किराना कारोबार और गृहसज्जा के काम से जुड़े हुए हैं उनकी आज के दिन विशेष रूप से कमाई हो सकती है।

उपाय : आज आपको दिन को शुभ बनाए रखने के लिए काले कुत्ते को रोटी देना चाहिए साथ ही राहु के मंत्र का भी जप करना चाहिए।

सोना लगातार महंगा होगा

त्योहारों

और शादियों का मौसम है। आपकी बेटी की शादी होनी है और आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने पर सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.22 लाख रुपए तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपए के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे सकता है? इधर एक बहस आरंभ हुई है कि सोने का बहिष्कार कर देना चाहिए। बेटी के लिए सोने का विकल्प सोचना चाहिए, लेकिन सोने के बाजार की हकीकत बिल्कुल अलग है। वहां आम आदमी का अस्तित्व ही नहीं है। ‘वल्ड गोल्ड कार्डसिल’ का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों के आकलन हैं कि 2026 की दीपावली तक सोने के

दाम 23 फीसदी और बढ़ सकते हैं। सोना 1.45 लाख और 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक उछल सकता है, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4890-5000 डॉलर प्रति आउंस हैं। एक आउंस 28.3 ग्राम के बराबर है। सोच लीजिए, सोना कितने आसमानों को छू रहा है। उसके बाजार को आम आदमी और उसकी बेटी की चिंता नहीं है, क्योंकि आम आदमी का निवेश ‘नगण्य’ है। ‘गोल्ड इंटीएफ’ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में ‘गोल्ड इंटीएफ’ में 1.53 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है। अंतरराष्ट्रीय, अमरीकी बाजार में कभी सोने के दाम 20.7 डॉलर थे। 1834-1934 के बीच सोने के दाम धीरे-धीरे बढ़े और 35 डॉलर के दाम लगातार 34 साल तक स्थिर रहे। अब मौजूदा दौर में सोना इतना महंगा और अनिवार्य हो गया है कि देशों की अर्थव्यवस्था की बुनियाद है, लेकिन आम आदमी के लिए मुसीबत, परेशानी का प्रतीक बन गया है। दरअसल सोने के दाम अमरीका से ही शुरू होते हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कारोबार डॉलर में ही होता है। जनवरी, 2025 में जब ट्रंप ने अमरीकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी, तो सोना 2700 डॉलर प्रति आउंस था। उनके 8 माह के कार्यकाल में सोना महंगा ही होता गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की बात शुरू की, तो देशों में अनिश्चिन्ता फैलने लगी, नतीजतन सोना महंगा होता गया। देशों ने सोना खरीदना तेज किया, ताकि वे आर्थिक तौर पर सबल रहें। अमरीका में तो आजकल ‘शटडाउन’ का दौर है। सरकारी कर्मचारियों को वेतन के बिना ही छुट्टी पर भेज दिया गया है, क्योंकि ट्रंप प्रशासन अमरीकी काँग्रेस (संसद) से बजट ही पास नहीं करा पाया है। बहरहाल 1970-80 का दौर याद कीजिए, जब सोना 20 गुना से अधिक महंगा हो गया था और वित्तीय सलाहकारों ने सोना खरीदने की सलाह दी थी, लेकिन 1999 तक सोने के दाम अचानक ध्वस्त हुए, तो निवेश भी घटा। 1990-91 के दौर में भारत सरकार को सोना गिरवी रखना पड़ा था, ताकि सामान्य खर्च चलाए जा सके। फिर उदासीकरण का दौर आया, सोना वापस ले लिया गया, भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर खुल गई। अब तो सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

कुछ

अलग

मरा चूहा...

उसके

घर में सबके काम बंटे थे। मरे चूहे फेंकने का काम वैसे भी पति के कोटे में था। सुबह का समय। रेपुटेड महोदय पर्यावरण दिवस पर अखबार के लिए बहिया सा राइटअप लिखने में जबरदस्त बिज्जी। पॉलीव्जर-स्वच्छता की रक्षा के लिए ऐसा कुछ लिखना कि देशभर में धमका हो जाए। एक कॉलेज के फंक्शन में मुख्य अतिथि के रूप में भी जाना है, और तो और राज्य स्वच्छता समिति के सलाहकार होने के नाते शाम को बैठक में भी जाना है। पत्नी परेशान। पति की इस व्यस्तता से नहीं बल्कि स्टोर में चूहेदान में फंसे पड़े हुए चूहे से। ‘मुहल्ले की सड़क पर झाड़ू भी और फौधा भी रोपना है भई।’ पतिदेव ने पत्नी के सिर पर धोखा मारा-भरकम आधा किला को एक चूहा पिंजरे में फंसा पड़ा है। पत्नी चिल्लाई, ‘सुनते हो जी, ये चूहा कहीं दूर जाना फेंक आओ।’ ‘फेंक आऊंगा...आज वृक्षारोपण के एक कार्यक्रम में भी जाना है।’ चूहा स्टोर में उस दिन यूं ही पड़ा रहा। पत्नी से देखा न गया। उसने उसे पानी और रोटी दे दी। दूसरे दिन पत्नी ने मुंह पर रुमाल ढक स्टोर में झांका। चूहा मर चुका था। पत्नी फिर चिल्लाई- ‘सुन तो लो जी। कितनी बार कहा चूहा फेंक आओ। मर गया है। अब तो फेंक दो।...कोई स्वीयर भी तो नहीं आता यहां, जो कह दूँ किसी से। पता नहीं सुनते क्यों नहीं?’ ‘हां-हां फेंक आऊंगा। कुछ नहीं होगा। तुम उसे एक थैले में डाल दो।’ ‘मैं नहीं छू सकती उसे। मुझे उल्टी होती है।’ ‘अच्छा रहने दो, मैं फेंक दूंगा। आज एक बैठक भी है भई। तैयारी भी तो करनी है। तुम आते भी न, बस।’ तीसरा दिन। ‘हे राम। ऐसा पति भावान किसी को न दे।...सुनते हो आज तो फेंक दो चूहा। बदबू आ रही है अब। फर्फंदी तक लग गई है।

दृष्टि

कोण

इस

‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर अमेरिकी रुख में आए बदलाव पर भारत की ओर से कोई तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई, पर देश में आक्रोश की लहर थी। शुरू में समझ नहीं आता था, पर अब धीरे-धीरे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच, पिछले दो दशक से चली आ रही सीहार्द-नीति में कोई बड़ा मोड़ आने वाला है। कुछ वर्षों से यह सवाल किया जा रहा है कि भारत एक तरफ रूस और चीन और दूसरी तरफ अमेरिका के बीच अपनी विदेश-नीति को किस तरह संतुलित करेगा? इसे स्पष्ट करने की घड़ी अब आ रही है। भारत ने तालिबान, पाकिस्तान, चीन और रूस के साथ मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अफ़ग़ानिस्तान स्थित बगराम एयरबेस पर

कब्ज़ा करने के प्रयास का विरोध किया है। यह अप्रत्याशित घटना तालिबान के विदेशमंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत-रूस से कुछ दिन पहले हुई है। अफगानिस्तान पर माँस्को प्रारूप परामर्श के प्रतिभागियों द्वारा मंगलवार को जारी संयुक्त बयान में बगराम का नाम लिए बिना यह बात कही गई। इस साल पहले टैरिफ और फिर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर अमेरिकी रुख में आए बदलाव पर भारत की ओर से कोई तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई, पर देश में आक्रोश की लहर थी। शुरू में समझ नहीं आता था, पर अब धीरे-धीरे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच, पिछले दो दशक से चली आ रही सीहार्द-नीति में कोई बड़ा मोड़ आने वाला है। कुछ वर्षों से यह सवाल किया जा रहा है कि भारत एक तरफ रूस और चीन और दूसरी तरफ

सम्पादकीय



शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

हैदराबाद

शुभ लाभ

खबरों जो सोच बदल दे

विश्व टिप्पणी

हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औकात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है

बाजार के जहरीले आईने – जब लोग उपभोक्ता बन जाते हैं, इंसान नहीं

प्रियंका सौरभ

हमारा

समाज आज विकास की तेज़ रफ्तार पर तो है, पर दिशा कहीं खो चुका है। पहले इंसान जरूरतों के लिए चीज़ें खरीदता था, अब चीज़ें इंसान को खरीद रही हैं। अब बाज़ार केवल सामान नहीं बेचता, वह हमारी पहचान बेचता है। यह हमें यह समझाने की कोशिश करता है कि हम कौन हैं, हमारी औकात क्या है, और हमारी असली कीमत कितनी है। आज हर तरफ एक अजीब सी होड़ है — दिखावे की, ब्रांड की, और झूठे रुतबे की। लोग अब ज़िंदगी नहीं जी रहे, वे उसे प्रदर्शित कर रहे हैं। हर तस्वीर, हर पोस्ट, हर कपड़े और हर मोबाइल के पीछे एक ही सवाल छिपा होता है — “लोग क्या कहेंगे?” उपभोक्तावाद यानी कंज्यूमरिज़्म ने हमारे समाज की नसों में जहर की तरह जगह बना ली है। पहले व्यक्ति वस्तु का उपयोग करता था, अब वस्तुएँ व्यक्ति का उपयोग कर रही हैं। ब्रांड अब हमारी जरूरतों के नहीं, बल्कि हमारी असुरक्षाओं के सौदागर बन गए हैं। वे हमें यह यकीन दिला चुके हैं कि जब तक हमारे पास महंगा मोबाइल, बड़ा घर और इंस्टाग्राम पर दिखाने लायक जीवन नहीं है, तब तक हम अधूरे हैं। कभी कहा गया था कि “मनुष्य वस्तु का मालिक है”, पर अब वस्तुएँ मनुष्य के मन और मानसिकता की मालिक बन चुकी हैं। ऐपल का मोबाइल हो या महंगी कार, इनका उद्देश्य सुविधा नहीं, प्रतिष्ठा बन चुका है। लोग अब पर्दा इसलिए नहीं हटाते कि उन्हें हवा लगे, बल्कि इसलिए हटाते हैं कि तस्वीर अच्छी आए। इज्जत अब चरित्र में नहीं, कैमरे की फ्रेम में दिखती है। सोशल मीडिया इस उपभोक्ता संस्कृति का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। पहले लोग बातें करते थे, अब पोस्ट करते हैं। पहले खुशी आती थी, अब उसे रील में एडिट किया जाता है। पहले ल्यूहार मनाए जाते थे, अब दिखाए जाते हैं। हर लाइक आत्मविश्वास का मापदंड बन गया है, और हर टिप्पणी आत्म-मूल्य का प्रमाण। हम खुद से कम और दूसरों की निगाह से ज्यादा जीने लगे हैं। कपड़े ब्रांडेड हैं, घर सोच उधार की है, चेहरे चमकते हैं, पर दिल थके हुए हैं। एक समय था जब



गाँव की औरतें पर्दे में रहकर भी मर्यादा और सम्मान की मिसाल होती थीं। आज वही परंपरा संकोच का नहीं, बल्कि फोटोशूट का हिस्सा बन गया है। लोग कहते हैं — “हम तो आधुनिक हैं।” पर यह आधुनिकता नहीं, मानसिक गुलामी है — जहाँ दिखावा आत्म-सम्मान पर भारी पड़ता है। सोचिए, जब कोई व्यक्ति अपनी मासिक कमाई का बड़ा हिस्सा केवल इसीलिए ईएमआई में खर्च कर देता है ताकि लोग कह सकें कि उसके पास ‘आइफोन’ है — तो वह उपभोक्ता नहीं, बल्कि उपभोग का शिकार बन चुका है। फ़ोन वही काम करेगा जो आत्मसंतोष को बाँध लेती है। कई लोग कहते हैं — “हम तो ईएमआई पर खरीद रहे हैं, क्या फर्क पड़ता है?” पर फर्क यह है कि अब आप उस चीज के मालिक नहीं, बल्कि वह चीज आपकी जेब और मानसिक शांति की मालिक बन गई है। ईएमआई केवल किस्त नहीं, एक अदृश्य जंजीर है जो आत्मसंतोष को बाँध लेती है। महंगी वस्तुएँ कुछ पलों की खुशी देती हैं, पर धीरे-धीरे वही बोझ बन जाती हैं। मध्यवर्गीय समाज आज सबसे ज्यादा इस झूठी प्रतिष्ठा की होड़ में फँसा हुआ है। वह अपनी असल जरूरतें भूल चुका है, और दिखावे की दुनिया में जी रहा है। वह “कैसा दिखता हूँ” में उलझ गया है, “मैं क्या हूँ” महन करने, और दिखावे की दुनिया में जी रहा है। वह “कैसा दिखता हूँ” में उलझ गया है, “मैं क्या हूँ” यह भूल गया है। दिखावे की संस्कृति ने केवल जेब नहीं, नैतिकता भी खाली कर दी है। अब लोग

ब्रांड वैल्यू में बदल चुके हैं। जब मूल्य वस्तु में बदल जाते हैं, तो रिश्ते भी सौदे में बदल जाते हैं। आज लोग उपहार नहीं, ब्रांडेड चीज़ें देते हैं। शादी अब संस्कार नहीं, सामाजिक प्रदर्शन बन गई है। त्योहार अब भावना नहीं, फोटो सेशन बन चुके हैं। यह सब मिलकर हमारी संवेदनाओं को खोखला और नकली बना रहे हैं। पहले माता-पिता बच्चों को सिखाते थे — “कपड़े से नहीं, कर्म से पहचाना होती है।” अब बच्चे कहते हैं — “माँ, वही ब्रांड चाहिए जो मेरे दोस्त के पास है।” यही वह पल होता है जहाँ संस्कार हार जाते हैं और बाज़ार जीत जाता है। कई लोग कहते हैं — “हम तो ईएमआई पर खरीद रहे हैं, क्या फर्क पड़ता है?” पर फर्क यह है कि अब आप उस चीज के मालिक नहीं, बल्कि वह चीज आपकी जेब और मानसिक शांति की मालिक बन गई है। ईएमआई केवल किस्त नहीं, एक अदृश्य जंजीर है जो आत्मसंतोष को बाँध लेती है। महंगी वस्तुएँ कुछ पलों की खुशी देती हैं, पर धीरे-धीरे वही बोझ बन जाती हैं। मध्यवर्गीय समाज आज सबसे ज्यादा इस झूठी प्रतिष्ठा की होड़ में फँसा हुआ है। वह अपनी असल जरूरतें भूल चुका है, और दिखावे की दुनिया में जी रहा है। वह “कैसा दिखता हूँ” में उलझ गया है, “मैं क्या हूँ” यह भूल गया है। दिखावे की संस्कृति ने केवल जेब नहीं, नैतिकता भी खाली कर दी है। अब लोग

देश

दुनिया से

बंदा बहादुर सिंह की इतिहास को देन

आज

बंदा बहादुर की जयंती है। बंदा बहादुर ने दशरा गुरु गोविंद सिंह जी के छोड़े गए कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य सफलतापूर्वक किया था। उनका बचपन का नाम लक्ष्मण देव (10 अक्तूबर 1670-9 जून 1716) था। उनका जन्म जम्मू कश्मीर के पुंछ परगना में राजौरी नामक गांव में हुआ। वे भारद्वाज गोत्र के राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता का नाम राम देव भारद्वाज था। लक्ष्मण देव को शिकार का शौक था। एक बार वे शिकार के लिए जंगल में गए और उन्होंने तवी नदी के किनारे पानी पी रही एक हिरणी को शिकार किया। हिरणी गंभवती थी और उसका प्रसव होने वाला ही था। मृत हिरणी के पेट को जब मांस के लिए काटा गया तो उसके पेट में दो छोने बाहर गिरे जिन्होंने लक्ष्मण देव के सामने दम तोड़ दिया। इस घटना ने लक्ष्मण देव को भीतर तक हिला दिया। उन्होंने जीवन और मृत्यु के बीच की सबसे कमजोर कड़ी को अपने सामने टूटते ही नहीं देखा था बल्कि वे इस कड़ी को तोड़ने के स्वयं जिम्मेदार थे। उनको संसार की अनित्यता का भान हो गया। संसार अनित्य है तो स्थायी क्या है? यह प्रश्न लक्ष्मण देव के मस्तिष्क में निरंतर गूँजन लगा। मोचन अब उनका किसी काम में मन नहीं लगता था। वे सांसारिक कामों से उपराम होने लगे थे। सोते बैठते उनकी आंखों के आगे काले आंखों से देख रही हिरणी और दम तोड़ते उसको दो वच्चे प्रकट होने लगते। दो ऐसे वच्चे जिनके प्राण संसार में पहला सांस लेने के साथ ही ले लिए गए थे। यह काम लक्ष्मण देव ने ही किया था। अब जब घर में भी उसके सामने मांस परोसा जाता तो उसे वमन होने लगता और दम तोड़ रही हिरणी की कातर आंखें आ जातीं। गांव के मंदिर में ही एक वैरागी साधु जानकी दास रहता था। महात्मा जानकी दास अपने समय के प्रकांड पींडित और वैरागी थे। लक्ष्मण देव का ज्यादा समय अब जानकी दास की सेवा और संगत में ही व्यतीत होने लगा था। जानकी दास ने उन्हें वैष्णव मत में दीक्षित किया और साधु ही नया नाम भी दिया। उनका सांसारिक नाम समाप्त हुआ और अब वे वैष्णव वैरागी परंपरा के माधोदास वैरागी हो गए। उन्होंने अहिंसा का मार्ग स्वीकार कर लिया था। तामसी भोजन का त्याग कर दिया। लेकिन अपने गांव में रहकर घर परिवार के मोह से मुक्त हो पाना भी तो कठिन ही था। उन्होंने घर त्याग दिया। वे नित्य व स्थायी की खोज में घर से निकल पड़े।



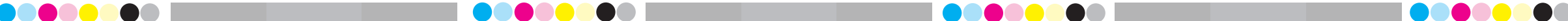
लक्ष्मण देव के घर छोड़ने की घटना 1685 के आसपास की है और उस समय उनकी आयु पंद्रह वर्ष थी। उन्होंने त्रिकुटा की पहाड़ियों में रियासी नामक स्थान पर विनाब नदी के किनारे अपना आश्रम स्थापित कर लिया। वहीं भजन वंदनाओं के अनुसार बंदा बहादुर ने यह आश्रम मुगलों से लड़ाई के बाद स्थापित किया। एक दिन वैरागी साधुओं का एक जत्था घूमता हुआ पहुंचा। यह जत्था कुछ दिन माधो दास के इस आश्रम में भी ठहरा। ज्ञान गोष्ठी होती रही। माधो दास को लगा वैरागी साधु का एक जगह ठहर कर बैठना उचित नहीं है। वे उनके साथ ही तीर्थयात्र के लिए चल पड़े। अनेक तीर्थ स्थानों पर घूमते हुए और विविध सम्प्रदायों के साधु संतों से शास्त्र संवाद करते हुए वे अंततः महाराष्ट्र में नासिक पहुंचे। वहां पंचवटी नाम का एक रम्य स्थान देखकर उन्होंने वहीं अपना आश्रम स्थापित कर लिया। कहा जाता है कि श्री रामचन्द्र जी भी अपने वनवास काल में अपनी पत्नी सीता जी और भाई लक्ष्मण के साथ इसी पंचवटी में ठहरे थे। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि हजारों वर्षों बाद अब उसी पंचवटी में जम्मू से एक दूसरा लक्ष्मण आकर ठहरा था। कुछ कालखंड पंचवटी में रहने के बाद वे एक बार फिर यात्रा के लिए निकल पड़े। नोदेड़ नामक स्थान पर गोदावरी तट पर पहुंचे। यह स्थान उन्हें बहुत ही रमणीक लगा। अतः यहीं एक उपयुक्त स्थान चुन कर उन्होंने अपना नया आश्रम बना लिया और तपस्या करने लगे। इसे संयोग ही कहा चाहिए कि दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी भी अपनी सांसारिक यात्रा के अंतिम दिनों में नोदेड़ में ही पहुंचे और वहीं उन्होंने अपना निवास बनाया। गुरु जी को माधो दास वैरागी के आश्रम के बारे में पता चला। दोनों का लम्बा संवाद हुआ। तब दोनों की

मुलाकात हुई। यह घटना सितंबर 1708 की है। गुरु जी ने माधो दास को सप्त सिस्यू/पंजाब की स्थिति के बारे में बताया। मुगल शासकों के अत्याचारों के बारे में जानकारी दी। समाधान के लिए खालसा पंथ की स्थापना के बारे में बताया। उन्होंने माधो दास को कहा कि व्यक्तिगत मोक्ष हेतु तपस्या तभी सार्थक है यदि देश में विदेशी शासन न हो और राजा राजधर्म का पालन करने वाले हों। गुरु जी ने माधो दास को प्रेरित किया कि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे बड़ी तपस्या विदेशी मुगल शासन का अंत कर पुनः रूल ऑफ लॉ (धर्म) की स्थापना करना ही है। गुरु जी ने माधो दास को पंजाब में खालसा पंथ की औरंगजेब की सेना से हुई लड़ाइयों के बारे में भी बताया। गुरु गोविंद सिंह जी के तप-त्याग और उनकी साधना ने माधो दास वैरागी को बहुत प्रभावित ही नहीं किया, बल्कि उसके शेष जीवन की दिशा ही बदल दी। उसका राजपूती रक्त उबलने लगा। वह गुरु जी को प्रणाम कर अक्टूबर 1708 को पंजाब की ओर चल पड़ा। उस समय उसकी आयु 38 साल थी। भाई कान्हू सिंह नाम का कहना है कि गुरु जी ने माधो दास वैरागी को नया नाम भी दिया। (गुरुखान सिंह)। अब लक्ष्मण देव के जीवन की तीसरी यात्रा शुरू हुई। अभी तक लक्ष्मण देव, माधो दास वैरागी के रूप में शास्त्र साधना कर रहा था। अब उसके जीवन का शस्त्र साधना का युग शुरू हुआ था। लेकिन अभी माधो दास वैरागी को अपने आश्रम से चले कुछ दिन ही हुए थे कि उसे सूचना मिली कि दशम गुरु अपनी इहलीला समाप्त कर चले गए थे। यह उसके लिए वज्राघात था, लेकिन इससे उसका संस्कृत और मजबूत हुआ। उसे गुरु जी के अधूरे काम को उसकी परिणति तक लेकर जाना था। बंदा सिंह बहादुर ने दिल्ली और जम्मू के बीच का बहुत सा इलाका मुगलों की विदेशी सत्ता से मुक्त करवा लिया और वहां खालसा राज्य की स्थापना की घोषणा कर दी। उन्होंने इस शासन व्यवस्था में जो कान्टिकारी सुधार किया, वह था जो खेत को जोता है खेत का मालिक वही होगा। उसने सत्ता के संचालन के लिए वर्तमान हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की सीमा पर कपाल मोनाय के पास भगवानपुर गांव की पहाड़ियों में अपना किला बनाया जो लोहागढ़ के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बन्दा बहादुर ने सरहिन्द को पूरी तरह तबाह कर दिया जो उन दिनों विदेशी शासकों का बहुत बड़ा केन्द्र था।

ऐसे

वक्त में जब अमेरिका ने निरंकुश टैरिफ थोपने व भारत के हितों पर कुठाराघात की नीति अख्तियार की हुई है, ब्रिटेन के साथ रक्षा व कारोबारी रिश्तों में नई शुरुआत उम्मीद जगाने वाली है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते का सिरें चढ़ना दोनों पक्षों के हित में बताया जा रहा है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा को नई दिल्ली और लंदन के संबंधों में एक नवें सिरें से बदलाव का प्रतीक बताया जा रहा है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के प्रतीकात्मक और व्यावहारिकता की दृष्टि से गहरे निहितार्थ हैं। इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण समझौते इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हैं। जिसमें 468 मिलियन डॉलर का मिसाइल सौदा, मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए के शीघ्र क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तथा भारत में नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय खोलने पर सहमत होना शामिल है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि इस रिश्ते में ‘एक नई ऊर्जा’ है, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का समन्वय चाहती है। हालांकि, मुक्त व्यापार समझौते का मूल्यंकन, इसके प्रतीकात्मक मूल्य के बजाय इसके वास्तविक आर्थिक प्रभाव के आधार पर किया जाना चाहिए। मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन के बाद भारत के लिये ब्रिटिश बाजार तक भारतीय कपड़ों, दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिन्टेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता

है। लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को लेकर कुछ चिंताएं भी मौजूद हैं। मसलन छोटें और मध्यम उद्यमों के सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर की आशंका बनी हुई है। इसमें दो राय नहीं है नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के कि एफटीए के फलस्वरूप, ब्रिजस्ट के विदेशी निवेशकों को भारत में आकर्षित करने में मदद करेगी। लेकिन इससे अर्थव्यवस्था के बीच विकास का एक लाभदायक अवसर और एक स्थिर अर्थव्यवस्था वाला मजबूत साझेदार का मिलन है। लेकिन इसके समझौते के क्रियान्वयन के माध्यम से भारतीय हितों की रक्षा के लिये सतर्क पहल की जरूरत भी महसूस की जा रही है। वैसे यह भी तथ्य है कि अनुसंधान, डिजिटल नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा में पारस्परिक निवेश को कसौटी पर ही दोनों देशों के रिश्तों की असली परीक्षा होगी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय पेशेवरों या छात्रों के लिए वीजा मानदंडों में ढील देने से स्टारमर का स्पष्ट इनाम करना इस बहुप्रचारित साझेदारी की सार्थकता को लेकर सवाल पैदा कर सकता है। यह विडंबना ही है कि ब्रिटेन कुछ मुद्दों को लेकर दोहरा मापदंड अपना रहा है। एक ओर ब्रिटेन जहां भारतीय बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाना और साथ ही तकनीकी सहयोग तो पाना चाहता है, लेकिन वहीं वह श्रम की गतिशीलता को लेकर सतर्क बना हुआ है, जो दवा और सेवाओं, विशेष रूप से आईटी और फिन्टेक के निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। शैक्षिक जुड़ाव का एक केंद्रीय मुद्दा बना रहा लेकिन वहीं दूसरी ओर मुक्त व्यापार समझौते है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि यदि प्रतिभाओं का आदान-प्रदान एकतरफा ही मौजूद है। मसलन छोटें और मध्यम उद्यमों के फूल नहीं सकती। निर्विवाद रूप से यह तथ्य सामने सस्ते ब्रिटिश आयातों से कमजोर होने ताकि है कि मुक्त व्यापार समझौते की यह यानियामक विषमताओं का सामना करने की अभी भी बाधाओं से पूरी तरह से मुक्त नहीं हो पायी है। उल्लेखनीय है कि टैरिफ, बौद्धिक संपदा और श्रम गतिशीलता के मुद्दे पर मतभेद अभी भी बने हुए हैं। वहीं दूसरी ओर मूल्य आधारित कूटनीति पर भारतीय प्रार्थमिकता को लेकर दोनों देशों में मतभेद सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि दोनों पक्षों को पुरानी कसक से प्रेरित कूटनीति से आगे बढ़ने की जरूरत होगी। निर्विवाद रूप से विशेष संबंध औपनिवेशिक ही अवसर या प्रयास भावना पर आधारित नहीं हो सकते। इस साझेदारी का वायदा एक ऐसे सतत विकास के निर्माण में निहित है, जिसमें दोनों देशों के आम नागरिकों को वास्तविक लाभ मिल सके। भारत की चिंता ब्रिटेन की भूमि से भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर अंकुश लगाने को लेकर भी है। निश्चय ही अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता नहीं हो सकता। हाल के दिनों में कुछ अभिय घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के प्रतीकों पर प्रहार करने के रूप में सामने आ चुकी हैं।



आज का राशिफल

शुभ — चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास जिन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप कामयाबी जरूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण कदम उठाते की जरूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ घटक गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरूरी पल गवां दिए हैं।

वृषभ — इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएं। समय और धन की कड़ आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियाँ भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह परिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी खर्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन — क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुकसान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लैजाने कर देगा। शाम ढलने-डलने कोई आकस्मिक घटना आपके दिलीबिगम पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख्यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से बचा दिन, जब नजदीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क — ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराते की जरूरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से आचामक मुलाकात संभव है, जिसके चलते पुरानी खुरगुमा यादें फिर तरोताजा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह — म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,दू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर निबंधन रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिजल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएं। अगर आपको साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर वातचीत के जरिए मामला सुलझाने की जरूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की हंटी हो सकती है जिसके कारण आपको समय खराब होगा।

कन्या — टो,प,पी,पू,प,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर निबंधन रखें और सुस्त-नरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरस्कार विरणा समारोह का बुलावा आपके लिए खुशनुमा एहसास रहेगा। यह आपकी उम्मीदों पर खरा उतराए और आप उसके जरिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त में कोई पुरस्क पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकग्रता को भंग कर सकते हैं

तुला — र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सार्क रहेते उनना ही आपके लिए अच्छा होगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के जरिए आपको कुछ नए दोस्त मिलने कायक्षेप के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फायदा उठाएं। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का इस्तेमाल कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में खुद को फंसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको जरूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक — तो,न,नी,नू,नै,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि चार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु — ये,यो,म,मी,भू,धा,का,ढा,भे

आज घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौका साधनी होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इन्तेरव्यू करने से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाकई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर — भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी खबर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रविये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ — गु,गै,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगते वाले लोगों को नज़रअन्दाज करें। अचानक आपकी जिम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज्यादा और खूद के लिए कम कर पा रहे। प्रेम-जीवन में आधा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आश्चर्यजनक फायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफी विवेध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपनी जीवनसाथी से काफी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन — दी,दू,थ,झ,झ,दे,दो,वा,यी

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू जिम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नज़ आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। आप वो गुस्से में तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताजगी और मनोरंजन के लिए बर्बिसा दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन-देन में सावधानी की जरूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 04:45 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 03:20 तक
योग : व्यतिपात दोपहर 02:06 तक
करण : कौलव प्रातः 06:09 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 02:24 तक
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:03 (बेंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:55 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59,सूर्यास्त 05:49 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनि रोहिणी सिद्धि योग सायं 03:20 तक , कार्तिक मासे दीप-दानम्

पंचांगविषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं भूल पारायण, वास्तुशास्त्रि, गृहप्रवेश,शलचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शास्त्रि, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फ़क़ड़ का मन्दिर, रिक़ाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाणा)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को और विस्तार देगी राज्य सरकार : गजेन्द्र सिंह



जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींसर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और मेंटल वेल-बीइंग को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी नितांत आवश्यक है। प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं को और विस्तार देने के साथ ही सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में भी मानसिक स्वास्थ्य सेव-1ओं को मजबूती दी जाएगी। खींसर शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं भागदौड़ भरी कार्यशैली ने मानसिक स्वास्थ्य को

प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के बीच बेहतर तालमेल से चिंता, तनाव, अवसाद जैसे मानसिक विकारों को दूर किया जा सकता है। खींसर ने कहा कि सामाजिक स्वीकार्यता कम होने के बावजूद, भावनात्मक और व्यवहारिक समर्थन सुविधाओं को और विस्तार देने के साथ ही सुदृढ़ बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में भी मानसिक स्वास्थ्य सेव-1ओं को मजबूती दी जाएगी। खींसर शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं भागदौड़ भरी कार्यशैली ने मानसिक स्वास्थ्य को

करना चाहिए है, इससे व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। पंत ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से राज्य में टेली-मानस हेल्पलाइन (1800-891-4416) के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। इस हेल्पलाइन पर कोई भी व्यक्ति तनाव, अवसाद, चिंता या मानसिक परेशानी की स्थिति में तुरंत विशेषज्ञ परामर्श प्राप्त कर सकता है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, हेल्पलाइन तथा काउंसलिंग के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना आवश्यक है, जिन लोगों को मानसिक स्वास्थ्य लाभ की आवश्यकता है, उन्हें उपचार के लिए अधिक से अधिक जागरूक करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से मानसिक तनाव में वृद्धि हो रही है। जब हमारी असीमित अपेक्षाएं, हमारी वास्तविक उपलब्धियों से अधिक होती हैं, और जो हमें प्राप्त होता है, उसमें अंतर रहता है, तो यही असंतुलन मानसिक अस्वस्थता का कारण बन जाता है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों की उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाली खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव सुधांशु पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि यह आयोजन राजस्थान के छह संभागों- जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर में होगा जिसमें देशभर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 5000 खिलाड़ी और 2000 अधिकारी एवं स्टाफ भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि यह आयोजन एक व्यापक अभ्यास है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि सभी कार्य योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से पूरे हों ताकि राज्य की ओर से संप्रदायों और दर्शनीय स्थलों पर निःशुल्क प्रवेश

उपस्थित सभी विभागों को निर्देशित किया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर गहन निगरानी की जा रही है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि आईटी विभाग के सहयोग से आयोजन की वेबसाइट पर मैकॉंट और टैगलाइन हेतु एक ओपन क्रिएटिव प्रतियोगिता प्रारंभ की जाए ताकि राज्य के नागरिक भी इसमें भाग ले सकें और इस अभियान का जन-जुड़ाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि खेल प्रतियोगिताओं की समस्त जानकारी पोर्टल के माध्यम से सार्वजनिक की जाए ताकि जनता को यह पता रहे कि कौन-सा आयोजन किस स्थान पर हो रहा है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी छह संभाग मुख्यालयों पर खिलाड़ियों के ठहराव की सुगम व्यवस्था करें। खिलाड़ियों के लिए राज्य के संप्रदायों और दर्शनीय स्थलों पर निःशुल्क प्रवेश



की सुविधा दी जाए ताकि वे राजस्थान की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी खेल सुविधाओं को सर्वोत्तम स्तर पर तैयार किया जाए ताकि यह आयोजन देशभर में एक मिसाल बने। उन्होंने संबंधित सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि वे गति बढ़ाएं और आगामी उत्सव सीजन को ध्यान में रखते हुए आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को

प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि खेल स्थलों की मरम्मत, अधोसंरचना उन्नयन, निविदा प्रक्रियाएँ, निरीक्षण समितियाँ और प्रशासनिक ढाँचा पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। जयपुर में प्रमुख खेल स्थलों का उन्नयन किया जा रहा है, जबकि प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर दो-दो खेलों का आयोजन किया

जाएगा। उन्होंने क्रीड़ा विभाग द्वारा प्रत्येक संभाग में चयनित खेलों की रूपरेखा और बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बैठक में सभी विभागों की भूमिकाएँ भी स्पष्ट की गईं। वित्त विभाग सभी वित्तीय स्वीकृतियाँ और बजट अनुमोदन की जिम्मेदारी देखेगा, गृह विभाग सुरक्षा और पुलिस प्रबंधन की व्यवस्था देखेगा, जबकि स्वायत्त शासन विभाग स्वच्छता, आवास और नगर प्रबंधन सुनिश्चित करेगा। शिक्षा विभाग खिलाड़ियों के लिए शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा तथा पर्यटन विभाग आयोजन स्थलों पर पर्यटन-संबंधी गतिविधियाँ आयोजित करेगा। चिकित्सा विभाग सभी आयोजन स्थलों पर आवश्यक मेडिकल टीम और एम्बुलेंस की व्यवस्था करेगा, वहीं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग आयोजन के प्रचार-प्रसार, मीडिया समन्वय और सामाजिक जागरूकता की गतिविधियों का संचालन करेगा।

हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक कमी की भयावह स्थिति : सैलजा

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के आठ जिलों अंबाला, फरीदाबाद, सिरसा, यमुनानगर, पलवल, भिवानी, जींद और हिसार में शिक्षकों की भारी कमी से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कई स्कूलों में एक-एक शिक्षक पर 400 से 500 तक बच्चों का बोझ है, जो किसी भी दृष्टि से शिक्षा की गुणवत्ता के साथ घोर अन्याय है। हरियाणा सरकार ने शिक्षा नृणवत्ता को गुणगान करने में लगी हुई है तो दूसरी ओर प्रदेश के स्कूलों में शिक्षकों, संसाधनों की भारी कमी है। सरकार प्राइवेट शिक्षण संस्थानों को बढ़ावा देकर ही सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश तो नहीं कर रही है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेशभर में 15,659 शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं, बकि अंबाला और यमुनानगर जैसे जिलों में स्थिति सबसे अधिक गंभीर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा दौरा 17 को

चंडीगढ़ , 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर, 2025 को हरियाणा के सोनीपत दौर पर आएंगे। अपने इस दौर के दौरान वे प्रदेशवासियों को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा हरियाणा के विकास को नई गति और दिशा प्रदान करेगा तथा 'विकसित भारत - विकसित हरियाणा' के संकल्प को और सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री नायब

तैयारियों को लेकर नायब सिंह सैनी ने की बैठक



सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री के आगामी कार्यक्रम को लेकर आज चंडीगढ़ में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए

समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की समय-सारिणी, रूट प्लान, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन रणनीति को अंतिम रूप देने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी बुनियादी ढाँचे, आयोजन स्थल की तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी हो जाएँ। सभी संबंधित विभाग पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार खुदकुशी मामले में

मुख्य सचिव और डीजीपी को एनसीएससी का नोटिस

चंडीगढ़ , 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। नेशनल कमीशन फॉर सेड्यूल्ड कास्ट्स (एनसीएससी) ने दलित आईपीएस अधिकारी वार्ड पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में स्वतः सज़ान लिया है। शुक्रवार को एनसीएससी ने इस सिलसिले में चंडीगढ़ के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। यह नोटिस भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत आयोग की शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जारी किया गया है। घटना के बाद आयोग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू करने का फैसला किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट में सभी आरोपियों के नाम, दर्ज एफआईआर की संख्या, तारीख और संबंधित धाराएँ, आरोपियों

की गिरफ्तारी की स्थिति और पीडित परिवार को दिए गए मुआवजे (अगर कोई हो) का ब्योरा शामिल होना चाहिए। यह कदम दलित समुदाय के अधिकारों की रक्षा और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। एनसीएससी द्वारा मुख्य सचिव और डीजीपी को भेजे गए पत्र में चेतावनी दी गई है कि अगर तय समय सीमा तो अंदर जवाब नहीं मिला तो आयोग संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत मिली सिलिल कोर्ट की शक्तियों का उपयोग करेगा। इसके तहत आयोग व्यक्तिगत रूप से या उनके प्रतिनिधि के माध्यम से उनकी हाजिरी के लिए समन जारी कर सकता है। यह कदम मामले में देरी या लापरवाही को रोकने के लिए उठाया गया है।

आईपीएस पूरन कुमार सुसाइड मामला

जांच के लिए 6 सदस्यीय एसआईटी का गठन चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे नेतृत्व

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वार्ड पूरन कुमार के सुसाइड मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। टीम का नेतृत्व चंडीगढ़ के आईजी पुष्पेंद्र कुमार करेंगे। इनके अलावा पांच आईपीएस और सीपीएस अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया है। एसआईटी में शामिल अन्य सदस्यों में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप सिंह, एसपी सिटी केएम प्रियंका, डीएसपी (ट्रैफिक) चरणजीत सिंह विर्क, एसडीपीओ (साउथ) गुरजीत कौर और एसएचओ (पश्चिम) जयवीर सिंह राणा शामिल हैं। चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत ने शुक्रवार को एसआईटी गठन के संबंध में आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया, एफआईआर संख्या 156/2025, धारा 108/3(5) बीएनएस और 3(1)(A) एससी/एसटी (पीओए) अधिनियम, 2013 के तहत पुलिस स्टेशन सेक्टर-11 (पश्चिम), चंडीगढ़ में



आरोपों की गंभीरता और संवेद-नशीलता को देखते हुए आईजीपी, चंडीगढ़ की देखरेख में मामले की त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का तत्काल प्रभाव से गठन किया जाता है। आदेश के अनुसार, एसआईटी मामले में सभी पहलुओं की समयबद्ध तरीके से जांच करेगी, जिसमें साक्ष्य जुटाना, गवाहों से पूछताछ, विशेषज्ञों की राय और कानूनी सलाह जैसे विषय शामिल हैं। जांच पूरी होने पर एसआईटी अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। आदेश में यह भी बताया गया है कि एसआईटी जरूरत के अनुसार अन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों को भी शामिल कर सकती है। 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी, पुलिस महापरीक्षक (आईजीपी) वार्ड पूरन कुमार चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत

पाए गए थे। चंडीगढ़ पुलिस के अनुसार, उन्होंने अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने 9 पन्नों का एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा, जिसमें 15 सेवारत और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने उनके 'सुसाइड नोट' में नामजद लोगों के खिलाफ सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। फिलहाल, इस मामले पर राजनीति जारी है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा, अगर उन्हें न्याय नहीं मिला, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा सरकार के रहते कैसे न्याय मिलेगा। एक अधिकारी, जिसने बार-बार न्याय मांगा, लेकिन उसे इनकार कर दिया गया। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग चंडीगढ़ में परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा, यह मौत अपने आप में कई सवाल खड़े करती है।

असली और नकली हीरे में पहचान कर पाना बेहद मुश्किल है। असली के नाम पर नकली हीरा कोई न थमा दे, इससे बचने के लिए सर्टिफिकेट जरूर लेना चाहिए, जिसमें साफ-साफ नैचुरल डायमंड लिखा हो। भरोसेमंद और साख वाले ज्वैलर्स से ही हीरा खरीदना चाहिए, जिसके पास हीरे की पहचान करने वाला हाईटेक माइक्रोस्कोप हो।



सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सिहोरा इंडस्ट्रीज का आईपीओ, 14 अक्टूबर तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एएसएम)।

टेक्सटाइल सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सिहोरा इंडस्ट्रीज का 10.56 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 66 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 16 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए

47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसी तरह नॉन इस्टीमेट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा मार्केट मेकर्स आफ्टरट्रेड ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस इश्यू के लिए सौभाग्या कैपिटल ऑफ़िशर्स लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट

किया जाएगा। कंपनी के शेयर 17 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 60 लाख रुपये और 2024-25 में उछल कर 1.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की आय

में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 12.10 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 11.62 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.06 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से अगस्त महीने के दौरान कंपनी को 45 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है, जबकि इस अवधि में कंपनी को 5.86 करोड़ रुपये की आय हुई है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पाइसजेट एयरलाइन ने अपने बेड़े में तीन और विमान जोड़े



नई दिल्ली। देश में सस्ती विमानन सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी स्पाइसजेट ने अपने परिचालन बेड़े में तीन नए विमान जोड़े हैं। इनमें एक एयरबस ए340 चीड़ा आकार और दो बोइंग 737 विमान शामिल हैं। एयरलाइन के बेड़े का विस्तार होने से छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग पूरी हो सकेगी। स्पाइसजेट ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्टर पर बताया कि उसे तीन नए विमान मिले हैं, जिनमें एक एयरबस ए340 वाइड-बॉडी और दो बोइंग 737 हैं। एयरलाइन ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर के बीच कुल 20 विमान उसके परिचालन बेड़े में शामिल होंगे। इनका संचालन डैम्य लीज मॉडल के तहत किया जाएगा। हालांकि, कंपनी ने लीज की अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। एयरलाइन ने बताया कि ये नए विमान 10 और 11 अक्टूबर के बीच परिचालन में आ जाएंगे। इसके साथ ही एयरलाइन दिसंबर के मध्य तक चार विमानों को भी उतार देगी, जिससे उसकी क्षमता और बढ़ेगी। एयरलाइन ने कहा कि उसके बेड़े का विस्तार इस छुट्टियों के मौसम में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। कंपनी ने कहा कि हम गति पकड़ रहे हैं। शीतकालीन योजना प्रमुख शहरों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करके हमारे मेहमानों के लिए नए अवसर खोलेगी। हम विवेकपूर्ण तरीके से क्षमता वृद्धि, समय पर प्रदर्शन में सुधार और अपने ग्राहकों व भागीदारों को मूल्य प्रदान करना जारी रखेंगे।

असम में चाय उद्योग में सभी उत्पादकों की जगह बनी रहनी चाहिए: रवि कोटा



कोलकाता। असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने कहा है कि राज्य के चाय उद्योग में मौजूद दोहरी संरचना, जिसमें बड़े संगठित उत्पादक और छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) शामिल हैं, भीषण है, क्योंकि कोटा ने कहा कि दोनों को एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाए बिना सह-अस्तित्व बनाए रखना होगा। असम भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है, जो देश की सालाना चाय उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा देता है। बड़े संगठित उत्पादकों को बागान अधिनियम के तहत कई कल्याणकारी दायित्व निभाने होते हैं, जबकि छोटे उत्पादक इन दायित्वों से मुक्त हैं। एसटीजी का योगदान भारत की कुल चाय उत्पादन में 50 फीसदी से अधिक है। कोटा ने चाय के लिए न्यूनतम स्थायी मूल्य (एमएसपी) लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा मॉडल तैयार किया जाना चाहिए जो किसानों के लिए न्यायसंगत हो। साथ ही चाय के आयात में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उत्पाद के मूल स्रोत की जानकारी उपभोक्ताओं को मिलनी चाहिए।

भारत में 47 फीसदी आबादी अब भी ऑफलाइन, महिलाओं की डिजिटल भागीदारी 33 फीसदी कम



नई दिल्ली। ग्लोबल सिरस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) की ताजा रिपोर्ट में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि भारत की लगभग 47 प्रतिशत आबादी अब भी इंटरनेट से जुड़ी नहीं है। इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में जीएसएमए एशिया एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। गोर्मन के अनुसार, डिजिटल पहुंच में सबसे बड़ी बाधा मोबाइल डिवाइस की ऊंची कीमतें और तकनीकी ज्ञान की कमी है। इसके अलावा, मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने में महिलाएं पुरुषों से 33 प्रतिशत पीछे हैं। यह बढ़ता डिजिटल लेनिंग अंतर देश के समावेशी विकास के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। जीएसएमए की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था 2013 के 108 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 370 अरब डॉलर तक पहुंच गई है, और 2030 तक इसके 1,000 अरब डॉलर को पार करने की संभावना है। लेकिन यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर डिजिटल पहुंच और नवाचार में असमानता दूर नहीं की गई, तो 2047 तक भारत के डिजिटल संप्रभुता लक्ष्यों को प्राप्त करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया कि भारत डिजिटल बुनियादी ढांचे और मोबाइल अपनाने में अग्रणी है, पर अनुसंधान एवं विकास, निजी क्षेत्र की भागीदारी और कुशल तकनीकी पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में अभी भी पिछड़ रहा है।

जब सीएम ही...

ममता बनर्जी का जनता का आशय मुस्लिम समुदाय होता है। ममता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला और कहा कि वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री की तरह व्यवहार करते हैं। ममता बनर्जी ने अमित शाह की तुलना मीर जाफर से की, जिन्होंने 1757 में सिराज-उद-दौला से विश्वासघात किया था। उन्होंने कहा, अमित शाह पर हमेशा भरोसा मत करो। वह एक दिन आपके मीर जाफर बनेंगे। ममता बनर्जी की बौखलाहट अब इस स्तर पर उतर आई है। ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा ने तुरंत पलटवार किया। भाजपा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि अमित शाह जो कहते हैं, वह वास्तव में करते हैं।

भाजपा नेता लंकित चटर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी बिहार में फर्जी मतदाताओं के नाम कटने के बाद एसआईआर प्रक्रिया से डरी हुई हैं। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में सबसे ज्यादा फर्जी मतदाता हैं और अब ममता को चुनाव जीतने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एनआरसी की बात जनता को गुमराह करने के लिए कर रही हैं, जबकि भारतीय नागरिकों के नाम नहीं हटेंगे। भाजपा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वस्थ प्रक्रिया से होने वाले चुनावों के लिए निर्धारित एसआईआर की प्रक्रिया के विरुद्ध जिस प्रकार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खतरनाक बयान दिया है, वह प्रकाश में से सीधे हिंसा भड़काने का संकेत देता है। यह अपने आप में तृणमूल कांग्रेस की नैतिकता और पश्चिम बंगाल सरकार की संवैधानिकता दोनों पर प्रश्नचिह्न लगाता है। यह कैसे संभव है कि कानून-व्यवस्था, जो राज्य का विषय है, उस राज्य की मुख्यमंत्री स्वयं इस प्रकार से चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े करें? उन्होंने कहा कि पूर्व में भी पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस प्रकार हिंसा को संक्षेप दिया, उस पर न्यायालयों की कठोर टिप्पणियां रही हैं। ऐसे में यदि मुख्यमंत्री स्वयं सर्वोच्च पद से इस प्रकार के बयान दें, तो यह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक है।

भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर राजनीतिक मर्यादाएं तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय नबरा में बैठकर खुलेआम धमकी दी है कि अगर बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हुआ, तो इससे दोगे भड़क सकते हैं और कई अन्य चीजें हो सकती हैं। बंगाल भाजपा के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने ममता बनर्जी पर दोगे भड़काने और हिंदू-मुस्लिम संघर्ष करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने घुसपैठियों का मुद्दा भी उठाया और कहा कि अगर देश छोड़कर भागे लोग वापस आ गए हैं, तो यह कोई धर्मशाला नहीं है, जहां कोई भी प्रवेश कर सकता है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इसके लेकर ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में जनता और राज्य सरकार को शामिल नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठकों में सिर्फ कुछ अधिकारियों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि एसआईआर की आड़ में असली मतदाताओं को हटाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को एनआरसी लागू करने की साजिश बताते हुए कहा कि भाजपा आग से खेल रही है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के एसआईआर वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, ममता बनर्जी को खुद को भारत के एक राज्य की सीएम के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। वह सोचती हैं कि वह बंगाल की पीएम हैं इसलिए वहां का कानून अलग है। भाजपा नेता अग्रिमिथा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी ने पहले भी बंगाल के मतदाताओं में दहशत पैदा करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि 2005 में जब डिप्टी स्पीकर के सामने कागजों का एक बंडल फेंका गया था तब उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश से घुसपैठिए घुस रहे हैं। आज मुख्यमंत्री बनने के बाद क्या हुआ? आज वह सीएम का विरोध कर रही हैं। सीएम नहीं तो वोट नहीं। बंगाल के लोग चाहते हैं कि जो लोग बाहर से आए हैं और हमारे अधिकार छीन रहे हैं, उन्हें बाहर निकाला जाए।

करीबी दोस्त भारत...

भारत और अफगानिस्तान को संपर्क बढ़ाना चाहिए। मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी अन्य देश के खिलाफ नहीं होने देगा। अफगानी विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफगानिस्तान में हाल ही में भूकंप आया तो सबसे पहले मदद भेजने वाला देश भारत ही था। अफगानिस्तान भारत को एक करीबी मित्र राष्ट्र के तौर पर देखता है। अफगानिस्तान भारत के साथ आपसी सम्मान पर आधारित रिश्ते चाहता है, जिसमें व्यापारिक और लोगों के लोगों से संबंध रहें। हम एक ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार हैं, जिससे दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हो सकें।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अफगानिस्तान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी से बातचीत में काबुल में फिर से भारतीय दूतावास खोलने की बात कही। उन्होंने मुत्तकी से कहा, आपकी यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान के रिश्तों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। भारत, अफगान लोगों का शुभचिंतक होने के नाते, आपके विकास में गहरी रुचि रखता है। आज मैं यह दोहराना चाहता हूं कि अफगानिस्तान में चल रहे भारत के कई प्रोजेक्ट्स के जरिए हमारी पुरानी साझेदारी फिर से मजबूत हो रही है। जयशंकर ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने के लिए हम आपके आभारी हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अफगानिस्तान के लोगों की स्वतंत्रता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी 9 अक्टूबर को भारत दौरे पर पहुंचे और उनका भारत दौरा 16 अक्टूबर तक चलेगा। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद यह काबुल से नई दिल्ली आने वाला पहला शीर्ष प्रतिनिधिमंडल है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी आने वाले दिनों में आगरा और देवबंद भी जाएंगे। वह भारत में रह रहे अफगानिस्तान के लोगों से भी मिलेंगे। यह पहली बार है, जब तालिबान के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए हैं। यह भारत की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण घटना है, जब तालिबान पर अपनी स्थिति स्पष्ट की जा रही है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 15 मई को मुत्तकी से फोन पर बातचीत की थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह भारत और अफगानिस्तान के बीच शीर्ष स्तर का संपर्क था। भारत ने अब तक तालिबान के शासन को मान्यता नहीं दी है और वह काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है। भारत इस बात पर भी जोर देता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तालिबान शासन ने जनवरी में विदेश सचिव विक्रम मिश्री और मुत्तकी के बीच बातचीत के बाद भारत को एक अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

अफगानिस्तान सरकार ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में खनन के लिए आमंत्रित किया है। इस प्रस्ताव पर दोनों सरकारों के बीच विचार-विमर्श जारी है। डॉ. जयशंकर ने कहा, अफगानिस्तान सरकार के इस प्रस्ताव का हम स्वागत करते हैं। इस बार चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा, व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने के हमारे साझा हित हैं। काबुल और नई दिल्ली के

बीच उड़ान सेवाएं बढ़ाने का ऐलान करते हुए भी हमें खुशी हो रही है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि विकास और समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता है। हालांकि, दोनों देशों द्वारा सीमापार आतंकवाद के साझा खतरों का सामना किया जा रहा है। हमें आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति आपकी संवेदनशीलता की हम सराहना करते हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद हमारे साथ आपकी एकजुटता उल्लेखनीय थी।

भारत ने अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करते हुए काबुल स्थित भारतीय तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा दे दिया। इसके साथ ही भारत ने आधिकारिक रूप से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने का ऐलान किया। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत-अफगानिस्तान के करीबी संबंध, अफगानिस्तान के विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए भी जरूरी हैं। इसे और मजबूत करने के लिए, मुझे आज काबुल स्थित भारत के तकनीकी मिशन को भारतीय दूतावास के स्तर पर उन्नत करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

दिल्ली में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री से बातचीत हो रही थी, ठीक उसी वक्त अफगानिस्तान की राजधानी काबुल धमाकों से दहल उठी। शनिवार और शुक्रवार की दसग्यानी रात को काबुल में कई विस्फोट और गोलीबारी और आवाजें सुनी गईं। इन हमलों के पीछे पड़ोसी पाकिस्तान का हाथ बताया गया। साफ है कि अफगानिस्तान का भारत के साथ बढ़ता मेल-जोल पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। इससे पहले बुधवार 8 अक्टूबर को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में टीटीपी के हमले में पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट कोल जूनैद आरिफ और मेजर तैय्यब राहत समेत 11 सैनिक मारे गए थे। सीमा विवाद को लेकर पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते पहले से ही तनावपूर्ण हैं, और इन घटनाओं ने क्षेत्रीय माहौल को और गरमा दिया है।

काबुल में हुए हमलों पर तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि धमाकों की जांच शुरू कर दी गई है। ये विस्फोट उस समय हुए जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत दौरे पर हैं। मुत्तकी की छह दिवसीय यात्रा का मकसद राजनयिक मान्यता प्राप्त करने के लिए भारत के साथ संबंध बेहतर करना है। इन धमाकों के पीछे पाकिस्तान की संभावित भूमिका का दावा इसलिए हो रहा है क्योंकि सीमा विवाद के चलते तालिबान और पाक सरकार के रिश्ते तनावपूर्ण हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में आरोप लगाया कि अफगानिस्तान का अंतरिम प्रशासन पाकिस्तान के खिलाफ टीटीपी का समर्थन करता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान ने टीटीपी आतंकियों को दूर रखने के लिए पाकिस्तान से फंड मांगा था।

तालिबान के पॉलिटिकल ऑफिस के हेड और कतर में अफगानिस्तान के राजदूत सुहेल शाहीन ने कहा, ये हमारे विदेश मंत्री का भारत का पहला हाई-लेवल दौरा है, जो बहुत अहम है। हम उम्मीद करते हैं कि इससे दोनों देशों के बीच नया दौर शुरू होगा। यात्रा के दौरान आपसी सहयोग के कई क्षेत्र खोजे जा सकते हैं। वो यहीं नहीं रुके, उन्होंने साफ कहा, अब दोनों देशों के लीडर्स को डिप्लोमैटिक लेवल बढ़ाना चाहिए। आईईए सरकार को मान्यता देकर द्विपक्षीय सहयोग का रास्ता साफ करें, ताकि रिश्ते हर क्षेत्र में फैलें। तालिबान के बयान से ऐसा लगता है जैसे तालिबान अब इंटरजार के मूड में नहीं है, वो चाहते हैं कि भारत उनकी सरकार को वैश्विक स्तर पर जगह दे।

यूएन सिक्वोरिटी काउंसिल ने मुत्तकी पर लगा ट्रेवल बैन हटाया, ताकि वो भारत आ सकें। भारत का मुत्तकी को होस्ट करना दिखाता है कि दोनों तरफ भरोसा बढ़ रहा है। तालिबान भारत से कह रहा है कि अफगानिस्तान में अपना आर्थिक असर और फैला लो। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब हो चुके हैं। भारत अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में पहले से प्रोजेक्ट्स चला रहा है। जल्द ही और विकास के काम शुरू होंगे, साथ ही मानवीय मदद भी जारी रहेगी। तालिबान का समर्थन मिलने से ये सब आसान हो गया है। ये यात्रा द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करेगी, लेकिन औपचारिक मान्यता पर अभी फिलहाल कोई बदलाव नहीं दिख रहा।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावली आमिर खान मुत्तकी ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और भारत सरकार की गर्मजोशी और मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद दिया। मुत्तकी ने बताया कि दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर विस्तृत बातचीत हुई, जिसमें आर्थिक, राजनीतिक, राजनयिक, क्षेत्रीय और सुरक्षा से जुड़े विषय शामिल थे। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने काबुल में अपने दूतावास की तकनीकी उपस्थिति को और मजबूत करने का फैसला लिया है। साथ ही, जल्द ही इस्लामिक अमीरात (अफगानिस्तान) का राजनयिक प्रतिनिधिमंडल भी दिल्ली पहुंचेगा। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए हवाई संपर्क (एयर कॉरिडोर) को भी मजबूत करने पर सहमति बनी है। मुत्तकी ने बताया कि विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का भरोसा दिया है। उन्होंने हाल ही में आए भूकंप के पीड़ितों को भारत की ओर से दी गई मदद के लिए भी आभार जताया। इसके अलावा, भारत और अफगानिस्तान ने मिलकर एक व्यापार समिति बनाने का भी निर्णय लिया है। मुत्तकी ने बताया कि अफगानिस्तान में निवेश के लिए नए अवसर खुले हैं, खासकर खनिज और ऊर्जा के क्षेत्र में। उन्होंने भारतीय कंपनियों और निवेशकों को अफगानिस्तान में इन क्षेत्रों में काम करने के लिए आमंत्रित किया। भारत ने सद्भावना के तौर पर अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस उपहार में दी। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने प्रतीकात्मक कदम के तौर पर 20 एम्बुलेंस में से पांच व्यक्तिगत रूप से अफगान विदेश मंत्री मुत्तकी को सौंपीं।

पांच राज्यों में...

एसआईआर को प्राथमिक उद्देश्य अवैध मतदाताओं के जन्म स्थान की जांच करके उन्हें मतदाता सूची से बाहर निकालना है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल कर कहा था कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर जल्द शुरू होगा। देशभर में एसआईआर कराने के लिए चुनाव आयोग के पास संवैधानिक अधिकार है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

सुप्रीम कोर्ट में दिए गए हलफनामा में चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार हो या बाकी पूरा देश, आधार कार्ड सिर्फ पहचान का प्रमाण है। यह नागरिकता का नहीं प्रमाण पत्र नहीं हो सकता। सिर्फ देश के नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार में एसआईआर प्रक्रिया के बाद तैयार अंतिम मतदाता सूची से बाहर किये गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उसे उपलब्ध

कराए। निर्वाचन आयोग ने न्यायालय को सूचित किया कि 30 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और अब तक सूची से बाहर किए गए किसी भी मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह निर्देश तब पारित किया, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) जैसे विपक्षी दलों के नेताओं सहित कुछ याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने अंतिम सूची से मतदाताओं को हटाए जाने को लेकर कोई नोटिस या कारण नहीं बताया है। पीठ चुनावी राज्य बिहार में एसआईआर कराने के निर्वाचन आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उसने कहा कि निर्वाचन आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार (9 अक्टूबर) तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

स्वयंसेवकों की हत्या...

के कार्यकर्ताओं विजित और शिनोज पर 28 मई 2010 को पल्लूर में हमला हुआ था। वे माहे की एक अदालत में पेश होकर घर लौट रहे थे। दोनों पर बम से हमला किया गया था। सामने आया था कि यह हमला सीपीएम से जुड़े कार्यकर्ताओं ने संघ के प्रति नफरत और बदले की भावना से किया था। इस संबंध में विश्व हिन्दू परिषद की प्रतिक्रिया सामने आई है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, केरल से सामने आया ये निर्णय न्यायालय से अधिक तंत्र की विफलता की पोल खोलता है, यह राज्य पर जिहादियों और कम्युनिस्टों के शिकंजे का भी द्योतक है। अदालत ने कहा, पुलिस सभी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रही है, जबकि साक्ष्य प्रस्तुत करना सरकारी तंत्र का काम है, जिसमें कि यहां देखा गया कि जानबूझकर उदासीनता बरती गई और अपराधी मुक्त हो गए। उन्होंने कहा, अब राज्य सरकार को अविलम्ब इसके विरुद्ध केरल हाईकोर्ट में अपील फाइल करके दोषियों को मृत्यु दंड दिलाकर पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का काम करना चाहिए। इससे ऐसे निर्मम कांड करनेवालों के मन में डर पैदा होगा। वहीं सरकार और न्यायव्यवस्था के प्रति भी विश्वास को बहाल किया जा सकेगा।

इस प्रकरण में केरल में रह रहे वीपचपी के राष्ट्रीय पदाधिकारी वेंकटेश कुमार का कहना है कि राज्य में लगातार स्वयंसेवकों को निशाना बनाया जा रहा है, विशेषकर उरर केरल में ऐसी घटनाएं आए दिन हो रही हैं। आरएसएस कार्यकर्ता, जिसकी पहचान शाजू के रूप में हुई, एक मंदिर उत्सव में जाते समय हमला कर दिया। संघ के कार्यकर्ता श्रीनिवासन की हत्या पलक्कड़ जिले में हुई। केरल के अलापुझा के वायलार ग्राम पंचायत के नागमकुलगारा में 22 वर्षीय आरएसएस शाखा मुख्य शिक्षक आर नंदू उर्फ नंदू कृष्णा की हत्या की गई। रंजीत श्रीनिवासन की बेहरीमी से हत्या कर दी गई थी।

चित्तिरिपरम्बा निवासी 17वीं मील शाखा के मुख्य शिक्षक श्यामा प्रसाद की कोमेरी स्थित बकरी फार्म के पास मार दिया गया। इसी तरह विश्रू में बाइक से आईटीआई कॉलेज से लौटते समय अनंदन की चार सीपीआईएम के कार्यकर्ताओं ने बेहरीमी से गिराई की पुलिस अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। केटी जयकृष्ण मास्टर को तो स्कूल में पढ़ाते वक्त बच्चों के सामने ही मार दिया गया था! पुलिस साक्ष्य ठीक ढंग से नहीं रखती, इसलिए ज्यादातर मामलों में अपराधी न्यायालय से छूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी यही हुआ है, अपराधी साक्ष्यों के अभाव में छोड़ दिए गए, हम इस मामले को ऊपरी अदालत में लेकर जाएंगे।

केरल में राज्य पुलिस, मानव अधिकार संगठनों और कई स्वतंत्र जांच के रिकॉर्ड बताते हैं कि 1970-1990 के बीच लगभग 60 आरएसएस कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। 1990-2010 के दौरान 140 से अधिक राजनीतिक हत्याएं हुईं। 2010-2025 के बीच तकरीबन 100 नई वारदातें रिकॉर्ड की गई, जिनमें आरएसएस और भाजपा कार्यकर्ता थे। न्यायालयों में अधिकांश मामलों में साक्ष्य की कमी, गवाहों के मुकदमे और राजनीतिक दबाव के चलते सजा का प्रतिशत बेहद कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राजनीतिक हत्या के 80 प्रतिशत मामलों में आरोपियों को बरी कर दिया गया है।

पीड़ित परिवारों और समर्थकों का कहना है कि अदालत का यह फैसला न केवल हत्या के दोषियों को राहत देता है बल्कि राज्य की न्याय प्रणाली पर भी गहरा प्रश्नचिह्न लगाता है। कन्नूर से लेकर कोच्चि तक इस पर प्रश्न उठ रहे हैं कि अगर इन 16 लोगों ने हत्या नहीं की, तो फिर हमारे भाइयों को किसने मारा? कई लोगों ने इसे प्रणालीगत विफलता कहा है। उनका कहना है कि पिछले 50 वर्षों से हमारे सैकड़ों कार्यकर्ता मारे जा चुके हैं, लेकिन दोष सिद्ध होने की घटनाएं गिनी-चुनी हैं। पिछले 50 वर्षों में 300 से अधिक संघ स्वयंसेवकों की हत्या, सैकड़ों मुकदमे, और बार-बार के बरी आदेश यह सब एक बड़े संवैधानिक प्रश्न की ओर इशारा करते हैं, क्या राज्य न्याय देने में विफल रहा है या राजनीति ने न्याय को अपनी मुठ्ठी में कैद कर लिया है? यह सवाल अनुत्तरित है कि अगर इन हत्याओं को किसी ने अंजाम नहीं दिया, तो फिर मरने वाले स्वयंसेवकों को किसने और क्यों मारा?

सुप्रीम कोर्ट ने ...

जम्मू-कश्मीर राज्य दर्जा याचिका के वादी इरफान हाफी लोन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने पहले यह निर्देश दिया था कि जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक चुनाव कराए जाएं और राज्य दर्जा जल्द बहाल किया जाए। इस दिशा में उन्होंने कोर्ट को एक प्रस्ताव भेजा है जिसमें कहा गया है कि संविधान की संघवाद की भावना के अनुसार, पूर्ण राज्य का दर्जा एक निश्चित समय सीमा के भीतर बहाल हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज इस प्रस्ताव की एक प्रति कोर्ट में पेश की गई, जिसे जम्मू-कश्मीर कैबिनेट द्वारा पारित किया गया था।केन्द्र की ओर से सॉलिडिस्ट जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर प्रशासन से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि यह एक विशेष स्थिति है और इसमें कई संवेदनशील पहलू जुड़े हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग केंद्र शासित प्रदेश के बारे में जानबूझकर नकारात्मक छवि पेश कर रहे हैं।

ट्रंप को न...

बढ़ावा देने में मचाडो के अथक कार्य और तनाशाही से लोकतंत्र में एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण बदलाव प्राप्त करने के संघर्ष के लिए उन्हें सम्मानित करती है। उल्लेखनीय है कि मचाडो ने सुमाते नाम के संगठन की स्थापना की, जो लोकतंत्र की बेह तरी के लिए काम करता है। जो कि मुफ्त और निष्पक्ष चुनावों की मांग करता रहा है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो साल 2024 के चुनाव से पहले विपक्ष की राष्ट्रपति उम्मीदवार थीं, लेकिन वेनेजुएला की सरकार ने उम्मीदवारी रद्द कर दी।



BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज का मेल-मिलाप कार्यक्रम सम्पन्न



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में शुक्रवार को अग्रवाल समाज का मेल-मिलाप कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के परामर्शदाता एवं सदस्यता विस्तार समिति के अध्यक्ष श्री बद्रीविशाल बंसल द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सचिव विकास केसान, संयुक्त सचिव डॉ. सीमा जैन, परामर्शदाता बद्रीविशाल बंसल, हरीश गुप्ता सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जयंती उत्सव के दौरान विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करने वालों को शाल आढ़ाकर

सम्मानित किया गया। मुख्य गायक मनोज शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कैरिओके कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशांत अग्रवाल (अत्तापुर सेंट्रल शाखा), डॉ. दिलीप पंसारी (डोमलगुडा शाखा), सुनील अग्रवाल (बंजारा हिल्स शाखा), नवल किशोर अग्रवाल (बंजारा हिल्स शाखा) तथा पूजा गुप्ता (अशोक नगर शाखा) ने अपने मधुर गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उपस्थित भाई-बहनों और महिलाओं ने अग्रसेन जयंती के अवसर पर अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। सफल आयोजन पर सभी ने श्री बद्रीविशाल बंसल को बधाई दी और हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

शांतिपूर्वक सम्पन्न पर्वों पर पुलिस अधिकारियों का सम्मान



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिटी कॉलेज स्थित गायत्री भवन में पुराने शहर में मिलादुन्नबी और नवरात्रि के पर्व शांतिपूर्वक संपन्न होने के उपलक्ष्य में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर एसीपी चारमीनार श्री पी. चंद्रशेखर और इस्पेक्टर ए. रमेश को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, साउथ जोन प्रेसिडेंट मोहिस, जनरल सेक्रेटरी डॉ. जेन गोपाल दास सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में पीएमडीडीकेवाई तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का सीधा प्रसारण

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 11 अक्टूबर, 2025 को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के शुभारंभ कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कृषि अवसरंचना कोष, पशु पालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से ज्यादा परियोजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास करेंगे। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में इस सुअवसर पर तेलंगाना के 500 से ज्यादा किसानों के समक्ष इस कार्यक्रम के सीधे प्रसारण का प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर अन्नदाताओं का सम्मान, समृद्ध राष्ट्र का निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए संस्थान के द्वारा किसान-वैज्ञानिक परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन तथा श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के एससीएसपी

के अंतर्गत अनुसूचित जाति के किसानों को आगत (बीज) का वितरण किया जाएगा। संस्थान के वैज्ञानिक उन्हें प्राकृतिक कृषि पद्धतियों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, तथा दलहन एवं तिलहन फसलों के लिए सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों पर तकनीकी प्रदर्शन एवं श्री अन्न की उन्नत खेती एवं मूल्यवर्धन की जानकारी भी प्रदान करेंगे। इसके अलावा किसानों को राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली, शिकायत निवारण पोर्टल, जीएसटी लाभ और अन्य सरकारी योजनाओं पर जागरूकता सत्र भी चलाए जाएंगे। सटीक कृषि के लिए ड्रोन का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी बैचों में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर श्री कौंडा विश्वेश्वर रेड्डी, माननीय सांसद भी किसानों का मार्गदर्शन करेंगे एवं उन्हें उन्नत कृषि कार्यों को अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। संस्थान में यह संपूर्ण कार्यक्रम डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा।



पोषण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान, हैदराबाद द्वारा आज यानी 10 अक्टूबर 2025 को जिला परिषद हाई स्कूल, सरुनगर, हैदराबाद में 8वें राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने पोषण के माध्यम से स्वास्थ्य विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि उचित पोषण व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास की नींव है। उन्होंने कहा कि हम जो भोजन करते हैं वही हमारे स्वास्थ्य को निर्धारित करता है। शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व - प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, बसा, विटामिन और खनिज - संतुलित मात्रा में लेना अनिवार्य है।



विटामिन (विशेष रूप से विटामिन सी और डी), जिंक तथा अन्य खनिज प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को अनेक बीमारियों एवं संक्रमणों से सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने बताया कि कार्बोहाइड्रेट शरीर के लिए आवश्यक

ऊर्जा का प्रमुख स्रोत हैं और प्रतिदिन के आहार में दूध का सेवन भी समान रूप से आवश्यक है। डॉ. सत्यव्रतानंद और डॉ. तपस्वी (सीनियर रिसर्च फेलो) ने अपने व्याख्यानों में कहा कि भारत में पोषण की कमी से महिलाओं और किशोरियों में

एनीमिया (आयरन की कमी) की समस्या अत्यंत गंभीर है। इससे बचाव के लिए सभी को अपने दैनिक आहार में पतेदार सब्जियाँ, फल, बाजरा और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जंक फूड से परहेज कर संतुलित आहार अपनाने से ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। यह कार्यक्रम संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिससे लगभग 150 छात्र लाभान्वित हुए। इस अवसर पर आयुर्वेद गृहपासारम, मधुमेह, खाद्य विज्ञान, मासिक धर्म स्वास्थ्य, स्वास्थ्यवृत्त, अमृतवीराम, खाद्य सेवा, दिनचर्या और पोषण पर आधारित आयुर्वेदिक पैम्फलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री के. श्रीनिवास राव (लाइब्रेरियन) द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या भाग्यलक्ष्मी, उमादेवी, छात्र-छात्राएँ और विद्यालय का संपूर्ण स्टाफ उपस्थित रहा।

ॐ भिक्षु जय भिक्षु महाजप अनुष्ठान सम्पन्न

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय तैरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन एवं तैरापंथ महिला मंडल हैदराबाद के तत्वावधान में सुबह 9 बजे से 10 बजे तक ॐ भिक्षु जय भिक्षु महाजप अनुष्ठान आयोजित किया गया। यह महाजप अनुष्ठान विश्व शांति एवं सद्भावना के उद्देश्य से किया जा रहा है, जो 13 दिवसीय अखंड जप है। इसमें केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में प्रवासरत श्रावक-श्राविका समाज भी पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ जुड़ा हुआ है।



इसी क्रम में हैदराबाद महिला मंडल ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। जप को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए हैदराबाद में आठ केंद्र बनाए गए - डी.वी. कॉलोनी सिकंदराबाद, हिमायत नगर भवन, अत्तापुर, मानसरोवर, कवाड़ीगुडा (2), बरकपुरा और शिवरामपल्ली। इन

स्थानों पर भाई-बहनों ने सामूहिक जप किया, साथ ही बड़ी संख्या में श्रावकों ने अपने घरों से जूझ के माध्यम से जुड़कर जप में सहभागिता निभाई। सभी के सहयोग से कुल 611 लोगों ने महाजप अनुष्ठान में भाग लेकर विश्व शांति हेतु प्रार्थना की। तैरापंथ भवन डी.वी.

कॉलोनी, सिकंदराबाद में यह अनुष्ठान आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदूषी सुशिष्या साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के पावन सान्निध्य में हुआ, जहाँ 151 लोगों ने सामूहिक जप किया। साध्वी डॉ. गवेषणा श्री जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज विश्व हिंसा के गर्त में

हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे प्रतिष्ठित दुल्हन और उत्सव विशेष प्रदर्शनियों में से एक - हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी - दीवाली और शादी स्पेशल एडिशन - हैदराबाद को ग्लैमर, परंपरा और लग्जरी से रोशन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आगामी उत्सव और शादी के सीजन के लिए बिल्कुल सही समय पर आयोजित यह विशेष कार्यक्रम भारत के सबसे अधिक मांग वाले दुल्हन और फैशन ट्रेंड्स का एक उत्कृष्ट और खास संग्रह प्रस्तुत करता है। अभिनेत्री आशु रेड्डी, अभिनेत्री हेबा पटेल के साथ-साथ शीर्ष मॉडल, फैशन और आभूषण प्रेमियों ने हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी के भव्य उद्घाटन की शोभा बढ़ाई। यह प्रदर्शनी 12 अक्टूबर तक को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में

आयोजित की जा रही है। हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी एक अद्वितीय दुल्हन शोकेस और दीवाली स्पेशल प्रस्तुत कर रहा है - जिसमें विशेष शादी के आभूषण, दुल्हन के परिधान, दीवाली स्पेशल, डिजाइनर लहंगे, विभिन्न प्रकार की साड़ियाँ, दुल्हन के परिधान की आवश्यक वस्तुएँ, उत्सव संग्रह, फैशन और लाइफस्टाइल रचनाएँ शामिल हैं जो देश के कुछ सबसे प्रसिद्ध डिजाइनरों और ब्रांडों द्वारा प्रस्तुत की गई हैं। यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन सभी शादी और उत्सव फैशन आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन होने का वादा करता है। हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी दीवाली और शादी स्पेशल एडिशन केवल एक प्रदर्शनी नहीं है - यह एक विशेष डेस्टिनेशन शॉपिंग अनुभव है, जो डेस्टिनेशन वेडिंग के समान है। यह प्रदर्शनी

एक छत के नीचे बेहतरीन ब्राइडल और फेस्टिव कलेक्शन, उत्कृष्ट आभूषण, डिजाइनर वेअर, फेस्टिव वेअर, वेडिंग ट्रूसो, एक्सेसरीज, फुटेवेअर और बहुत कुछ प्रदर्शित करती है। इस अवसर पर बोलते हुए, अंबी डोमिनिक, एमडी और सीईओ - हाईलाइफ प्रदर्शनी और हाईलाइफ ब्राइड्स एग्जिबिशन के मुख्य आयोजक ने कहा, हाईलाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी भारत की सबसे भव्य और सबसे प्रसिद्ध शादी, उत्सव, दुल्हन फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनियों में से एक है। यह एक सुरुचिपूर्ण छत के नीचे बेहतरीन डिजाइनरों, शीर्ष ज्वैलर्स, विशेष फैशन लेबल को एक साथ लाता है। उन्होंने कहा कि हाईलाइफ प्रदर्शनी भारत का सबसे लोकप्रिय और भरोसेमंद नाम फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनियों में से है।

राधे राधे ग्रुप ने बेगम बाजार में किया अन्नदान



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद तत्वावधान में शुक्रवार को कार्तिक मास की चतुर्थी के अवसर पर बेगम बाजार भूदेवी माता मंदिर के पास स्थित गौशाला के पास नियमित किया गया।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोलाजीवाल, रितेश अग्रवाल, पन्नालाल, अनिल भाई, शिवभगवान, गोविंद राम पचेरीया, लता गोयल, एवं आशीष उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में राजभाषा पखवाड़ा 2025 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में राजभाषा पखवाड़ा 2025 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह बड़े धूमधाम और

हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के वरिष्ठ कार्यपालक निदेशक और कार्यपालक निदेशक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

वरिष्ठ कार्यपालक निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि सभी स्टाफ ने विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जो उनके हिंदी प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी कर्मचारी

इसी तन्मयता के साथ राजभाषा कार्यान्वयन में भी योगदान दें, अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी में करें, और भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को ही नहीं बल्कि उससे अधिक पत्र व्यवहार हिंदी में संपन्न करें।

कार्यपालक निदेशक ने कहा कि हिंदी दिलों को जोड़ने की सरल और सहज भाषा है, जो विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच सेतु का काम करती है। समारोह में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 195वां निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 12 को

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संगठन द्वारा 195वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर 12 अक्टूबर 2025, रविवार को श्रीनगर कॉलोनी, हैदराबाद स्थित श्री सरस्वती विद्या मंदिर हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

इस स्वास्थ्य जांच शिविर के प्रयोजक रघुनाथ मल नरेन्द्र गोयल (श्री नरेन्द्र गोयल, केंद्रीय समिति सदस्य, श्रीनगर कॉलोनी शाखा, अग्रवाल समाज तेलंगाना) हैं। शिविर में स्वर्ण आई केयर सेंटर, अबिड्स और बंजारा हिल्स, हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञ नेत्र रोगियों को सेवा प्रदान करेंगे और जांच के दौरान चिन्हित मोतियाबिंद रोगियों का निःशुल्क ऑपरेशन संघन परीक्षण के बाद

स्वर्ण आई केयर सेंटर, अबिड्स, हैदराबाद में किया जाएगा।

दांतों से संबंधित उपचार क्राउन डेंटल क्लिनिक, अमीरपेट, हैदराबाद के डॉ. कपिल बलदेव द्वारा प्रदान किया जाएगा। वहीं वासवी फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर, लकड़ी का पुल के डॉ. पी. रवी के नेतृत्व में लोगों को फिजियोथेरेपी उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

अग्रवाल मानव सेवा मंच और श्रीनगर कॉलोनी शाखा, अग्रवाल समाज तेलंगाना ने स्थानीय निवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में उपलब्ध सेवाओं का लाभ लेने का आग्रह किया है। अधिक जानकारी के लिए संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल से मोबाइल नंबर 9014573582 पर संपर्क किया जा सकता है।

केबीआर पार्क पर हुआ अन्नदान



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क के पास नियमित अन्नदान किया गया।

कार्यक्रम में राधे राधे ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, आशा गुप्ता, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, संकेत गुप्ता, गौरव गोयल तथा ई-जगन चंपापेट उपस्थित थे।

करवा चौथ के पर्व पर किया गया अन्नदान



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में कार्तिक मास की चतुर्थी (करवा चौथ) के अवसर पर नामपल्ली पब्लिक गार्डन पिछ्लर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान किया गया। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगताराम गोयल, कैलाश चंद

केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, अशोक गुप्ता, गोपाल गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, श्याम सुंदर अग्रवाल, सुरेश सिंघल, सुरेश डालमिया, गुरुवीर सिंह, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गौरव गोयल, प्रतिका अग्रवाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

गोशामहल में खराब सफाई व्यवस्था को लेकर विधायक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के चकना वाड़ी में निवासियों ने शुक्रवार को स्थानीय विधायक राजा सिंह के खिलाफ काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने इलाके की बिगड़ती जल निकासी व्यवस्था, कूड़ा-कचरा न उठाए जाने और नगर निगम की उपेक्षा पर गहरा असंतोष जताया।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों से बार-बार शिकायत



करने के बावजूद उफनती नालियों और कूड़े के ढेरों की समस्या का कोई समाधान नहीं निकला, जो उनके क्षेत्र में आम समस्या बन चुकी है। उन्होंने कहा कि खराब स्वच्छता विशेषकर मानसून में स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाती है। निवासियों ने काले झंडे

हैदराबाद टास्क फोर्स ने अफजलगंज में 18 लाख रुपए मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, पूर्वी ज़ोन टीम ने अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर शहर में एक अवैध विस्फोटक पटाखों के भंडारण केंद्र का भंडाफोड़ किया। उस्मानगंज रोड स्थित सिद्धंवर बाज़ार में एक गोदाम में छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसने बिना वैध लाइसेंस के बड़ी मात्रा में पटाखे जमा कर रखे थे। पुलिस ने लगभग 100 कार्टन विभिन्न ब्रांडों के पटाखे जब्त किए, जिनकी कुल कीमत करीब 18 लाख रुपये है। यह गोदाम रिहायशी क्षेत्र में था, जहाँ विस्फोटक सामग्री रखने से संभावित खतरों का अंदेश था, जो किसी दुर्घटना की स्थिति में जान-माल की नुकसान का कारण बन सकता था।

यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक यू. चंद्रशेखर



की देखरेख में उप-निरीक्षक एम. अनंत चारी, एस. करुणाकर रेड्डी, पी. नागराजू और अफजलगंज पुलिस टीम के सहयोग से की गई। अधिकारियों ने जनता को अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री से दूर रहने की सलाह दी है, खासकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में। अधिकारिक टास्क फोर्स के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अन्वे श्रीनिवास राव ने

अधिकारियों की तत्परता की सराहना की और बताया कि जब्त पटाखों के स्रोत और अवैध व्यापार में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है।

अधिकारियों ने नागरिकों से आवाक किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देने की अपील की है, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सीरवी समाज प्रीमियर लीग-8 का शुभारंभ 26 से

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी फ्रेन्ड्स क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित सीरवी समाज प्रीमियर लीग (एसएसपीएल)-8 क्रिकेट प्रतियोगिता तथा महिला वर्ग के खेलों का भव्य शुभारंभ रविवार, 26 अक्टूबर को सुबह 7:15 बजे किया जाएगा। यह आयोजन सीरवी क्रिकेट ग्राउंड, अलियाबाद और लिजेंड ग्राउंड, किसरा में संपन्न होगा।

फ्रेन्ड्स क्लब के सुरेश सैन्चा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया जा रहा है। प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक वाहिनी पाइप्स हैं, जबकि ट्रॉफी प्रायोजक बुधाराम गौतम काग

(बीरमगुड़ा), मैन ऑफ द मैच प्रायोजक तुलसारा सिद्धा (चिल्कानगर, सीरवी समाज मल्लपुर बंदर अध्यक्ष), टॉस का बांस प्रायोजक रायल गोल्ड (पांट मार्केट) से राजुराम, ओमप्रकाश व हापुराम बर्मा, तथा अंभाय प्रायोजक आर.एस. सिल्वर (पांट मार्केट) से घेवराराम, संजय, गोविंदराम, महेंद्र और देवेंद्र रहेंगे। विशेष योगदान जीपी एंटरप्राइजेज, आर.पी. रोड के अशोक पाण्डे द्वारा दिया जा रहा है। इस बार के खेलों को लेकर महिला वर्ग की खिलाड़ियों में भी भारी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों हिस्सा लेंगी, जिनमें - केसीजी धम्ममिगुड़ा, अलवीन इलेवन,

कर्मनघाट वॉरियर, आईजी क्लब, सिक्कराबाद क्लब, लिंगमपल्ली आर्मी, संगारेड्डी सुपर किंग, शमशाबाद बुल्स, कापरा ग्रेट फाइटर्स, सीरवी किस्म इलेवन, अलवाल, साधनगर स्ट्राइकर, रामनगर रॉयल, अस्टिक मेडचल, एल.बी. नगर टाइगर्स, सीरवी रेंजर्स, शंकरपल्ली ब्लास्टर, नाचाराम स्ट्राइकर, जुबली हिल्स क्लब, एल.बी. नगर, टीएमजी टाइटंस, बालनगर धूम इलेवन, माताजी इलेवन (बीरमगुड़ा) और सैनिकपुरी शामिल हैं।

प्रत्येक टीम 5 लीग मैच खेलेगी। इसके बाद 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल मुकाबला आयोजित

किया जाएगा। खेलों में क्रिकेट के साथ-साथ महिला वर्ग हेतु एथलेटिक्स व पारंपरिक खेल भी शामिल होंगे। महिला वर्ग के सभी खेल सीरवी क्रिकेट ग्राउंड, अलियाबाद (शामिरपेट) में आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम स्थल पर भोजन की व्यवस्था रहेगी तथा सभी मैचों का लाइव प्रसारण यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सीरवी फ्रेन्ड्स क्लब के सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

संगठन ने सभी सीरवी बंधुओं से निवेदन किया है कि वे तन-मन-धन से सहयोग कर इस प्रतियोगिता को सफल बनाएं।



करवाचौथ पर चन्द्र दर्शन करते हुए माधुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब केविनेट सदस्य अरुणा गुप्ता एवं गरिमा सहित अन्य सदस्य।



दुर्गा विहार, तिरुमलीगिरी में करवाचौथ के पावन अवसर पर नूपुर राठौर, विमला राठौर, कमला राठौर, पूजा राठौर और वर्षा राठौर ने चांद की पूजा की। सभी ने श्रद्धा और भक्ति के साथ इस पारंपरिक अनुष्ठान को सम्पन्न किया।

बोराबंडा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग में घर जलकर खाक

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोराबंडा डिवीजन के बंजारा नगर स्थित एक घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई, जिससे रामदास गौड़ के परिवार का घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना के बाद स्थानीय पार्षद और पूर्व उप-महापौर मौके पर पहुंचे और अग्निशमन विभाग व पुलिस को आग पर काबू पाने में सहायता की। दमकलकर्मियों ने तेजी से कार्यवाही करते हुए आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोका। पार्षद ने प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए सरकार से मुआवज़ा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की बात कही। अधिकारी शॉर्ट सर्किट के कारणों की जांच और नुकसान का आकलन कर रहे हैं। सौभाग्य से, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।



सनतनगर में कारवां चौथ का उत्सव सभी महिलाओं ने मिलकर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से डांस किया और गीत गाए। कार्यक्रम में भाजपा नेता सपना गुप्ता, भाग्यश्री, विना, रेखा, शैफरोन डायरेक्टर विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।



घटकेसर के अन्नोजीगुड़ा क्षेत्र में करवाचौथ के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना आयोजित की गई। इस पूजा में पति की लंबी उम्र के लिए चंद्र दर्शन करते हुए श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा की। इस धार्मिक सेवा में कंचन देवी काग, पुष्पा देवी, अनीता देवी, गीता देवी, सीमा देवी, ममता देवी, सुनकी देवी, ज्ञानी देवी, गेरी देवी, लक्ष्मी देवी और अन्य प्रवासी महिलाएं सम्मिलित हुईं।

शेयर मार्केट



बीएसई : 82,500.82
+328.72 +0.40% ↑
एनएसई : 25,285.35
103.55 (0.41%) ↑

कार्टून कॉर्नर

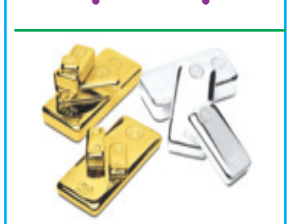
शुक्र है... पृथ्वी शॉ इंटरनेशनल टीम में नहीं है... वरना एशिया कप में घिटने वाली हरकत तो हमने भी खूब की थी!



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 21°

सर्पा बाज़ार



(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,25,160/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,66,725/-
(प्रति किलोग्राम)

तेलंगाना सरकार ने राज्य के भविष्य को आकार देने के लिए राइजिंग विजन 2047 नागरिक सर्वेक्षण लॉन्च किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 पहल शुरू की है - यह एक दीर्घकालिक रोडमैप है जो 2047 तक राज्य को एक समृद्ध, समावेशी और टिकाऊ विकास के मॉडल की ओर ले जाने के लिए तैयार किया गया है, जो भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी के साथ मेल खाता है। इस ऐतिहासिक पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने नागरिकों को तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 सिटीजन सर्वे में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है, जो 10 से 25 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

नागरिकों की भागीदारी से तैयार होगा भविष्य का खाका

सर्वेक्षण का उद्देश्य लोगों के विचारों और आकांक्षाओं को पकड़ना है कि वे 2047 में तेलंगाना को किस रूप में देखना चाहते हैं, जिससे यह वास्तव में एक भागीदारी और जन-संचालित नीति निर्माण प्रक्रिया बन जाए।

विजन दस्तावेज़ प्रमुख विकास क्षेत्रों पर केंद्रित है जैसे कि आर्थिक विकास, कौशल और रोजगार, महिला सशक्तिकरण, किसान समृद्धि, नवाचार, स्थिरता और सभी



नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार।

आज यहां एक बयान में, सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, आईएसए ने कहा, तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 केवल एक नीति दस्तावेज़ नहीं है - यह हमारे लोगों का सामूहिक सपना है। तेलंगाना के नागरिक राज्य के भविष्य के असली वास्तुकार हैं। हम सभी से आग्रह करते हैं कि वे सिटीजन सर्वे के माध्यम से अपने विचार साझा करने के लिए कुछ मिनट का समय निकालें और इस ऐतिहासिक दृष्टिकोण अभ्यास का हिस्सा बनें।

सरकार ने जोर देकर कहा कि हर नागरिक - युवा, किसान, महिलाएं, उद्यमी, छात्र, पेशेवर और वरिष्ठ नागरिक सहित - को भाग लेने और राज्य के दीर्घकालिक विकास रोडमैप को आकार देने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आपके विचार, आकांक्षाएं और विचार उन प्राथमिकताओं को परिभाषित करने में मदद करेंगे जो कल के तेलंगाना को आकार देते हैं। आज भाग लें - क्योंकि तेलंगाना का भविष्य आपसे शुरू होता है।

बयान में कहा गया है कि नागरिक सरकार द्वारा प्रदान किए गए आधिकारिक लिंक पर तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 सिटीजन सर्वे में भाग ले सकते हैं।

यह पहल तेलंगाना को भारत के सबसे विकसित और समृद्ध राज्यों में से एक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से तैयार होने वाला यह विजन दस्तावेज़ राज्य के विकास की दिशा तय करने में मील का पत्थर साबित होगा।

सभी नागरिकों से अपेक्षा है कि वे इस महत्वपूर्ण सर्वेक्षण में भाग लेकर तेलंगाना के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें।

तेलंगाना में 2025 में अकेले 412 भूमिगत माओवादी कैडरों ने किया आत्मसमर्पण



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) पार्टी के 412 भूमिगत कैडरों (यूजी) ने 2025 में अकेले राज्य पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है, जिनमें एक केंद्रीय समिति (सीसीएम) और चार राज्य समिति सदस्य (एससीएम) शामिल हैं।

पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि यह प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के खिलाफ उनके प्रयासों में तेलंगाना पुलिस की एक महत्वपूर्ण जीत है। कुल आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से दो डिवीजनल कमिटी सचिव (डीवीसीएस); 8 डिवीजनल कमिटी सदस्य (डीवीसीएम) और 35 क्षेत्र समिति सदस्य (एसीएमएस) हैं। माओवादी सदस्यों ने सशस्त्र संघर्ष को त्यागने और अपने

परिवारों के साथ शांतिपूर्ण जीवन अपनाने के लिए तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है, उन्होंने कहा।

आज तक, सीपी (माओवादी) के कुल 72 भूमिगत कैडर तेलंगाना राज्य के मूल निवासी हैं और सीपीआई (माओवादी) के 12 सीसीएम (केंद्रीय समिति सदस्यों) में से आठ राज्य के मूल निवासी हैं, उन्होंने जानकारी दी। तेलंगाना सरकार की ओर से, डीजीपी ने तेलंगाना के मूल निवासी सभी भूमिगत माओवादी कैडरों से अपील की कि वे मुख्यधारा में शामिल होकर अपने मूल गांवों में वापस आएँ और रचनात्मक भागीदारी के माध्यम से तेलंगाना राज्य की प्रगति में भाग लें।

डीजीपी ने आश्वासन दिया कि तेलंगाना राज्य पुलिस विभाग हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि मुख्यधारा में शामिल होने वाले माओ-वादियों को सरकार से मिलने वाले सभी लाभ उनकी आजीविका और पुनर्वास का समर्थन करने के लिए प्रदान किए जाएँ। यह बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण तेलंगाना पुलिस की समग्र और व्यापक रणनीति की सफलता को दर्शाता है। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति और पुलिस के प्रयासों ने माओवादियों को हिंसक गतिविधियों को छोड़कर सामान्य जीवन में लौटने के लिए प्रेरित किया है।

तीन नक्सली नेताओं ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के तीन वरिष्ठ माओवादी नेताओं (एससीएम) ने शुक्रवार को यहां तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें एक दंपति भी शामिल है।

यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए डीजीपी शिवधर रेड्डी ने कहा, कुंक्ती वेंकटेश (52) उर्फ रमेश उर्फ विकास, सिद्दीपेट जिला (तेलंगाना) के कुटीगल गांव के मूल निवासी; मोगिलिचर्ला वेंकटराजू (45) उर्फ राजू उर्फ एन राजू उर्फ चंद, हनुमाकोंडा जिला (तेलंगाना) के ठाटिकयाला गांव के निवासी और उनकी पत्नी टोडेम गंगा (42) उर्फ गंगव्वा उर्फ सोनी, छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के धरमपेटा गांव की मूल निवासी, ने स्वास्थ्य कारणों से सीपीआई (माओवादी) संगठन से खुद को अलग करने और सरकारी सहायता से मुख्यधारा में फिर से शामिल होने का फैसला किया है। डीजीपी ने कहा कि इतने वर्षों के भूमिगत रहने के बाद तीन वरिष्ठ माओवादी नेताओं और राज्य समिति सदस्यों (एससीएम) की मुख्यधारा के समाज में वापसी को सीपीआई (माओवादी) के खिलाफ तेलंगाना पुलिस द्वारा अपनाई गई समग्र और व्यापक नीति की नैतिक जीत के रूप में देखा जाता है। 122 मई 1990 को चेरियाल दलम में शामिल होने वाले वेंकटेश, जो डीकेएसजेडसी की

दक्षिण बस्तर दिवसुइडबाक समिति के प्रभारी के रूप में काम कर रहे थे, ने स्वास्थ्य कारणों से 36 साल भूमिगत रहने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। वेंकटेश की पत्नी कोडी मंजुला उर्फ निर्मला, सीपीआई (माओवादी) की राज्य समिति सदस्य (डीकेएसजेडसीएम), ने पिछले साल नवंबर में वारंगल पुलिस की उपस्थिति में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गई थीं। वह वर्तमान में वारंगल जिले में रह रही हैं।

वेंकटराजू, जिन्होंने 2011 में जूरी से अलग होने के बाद 2019 में थोडेम गंगा से शादी की थी, को 2022 में दक्षिण उप-क्षेत्रीय ब्यूरो के सदस्य के रूप में शामिल किया गया और बाद में 2024 में दंडकारण्य सचिवालय के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

डीजीपी ने कहा कि उन्होंने हाल के समय में सीपीआई (माओवादी) के नेतृत्व और विभिन्न संरचनाओं के भीतर वैचारिक मतभेदों और विभाजन के कारण अपनी पत्नी गंगा के साथ 35 साल भूमिगत रहने के बाद मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला लिया। उनका निर्णय नेतृत्व, समितियों और संरचनाओं के बीच वैचारिक मतभेदों और आंतरिक संघर्षों को लेकर सीपीआई (माओवादी) के भीतर बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, डीजीपी ने जानकारी दी।

ईगल फोर्स ने बड़े हवाला नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, हैदराबाद ऑपरेशन में 3 करोड़ रुपए की ड्रग मनी जब्त

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी और धन शोधन के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए, तेलंगाना की ईगल फोर्स ने देश भर में सक्रिय विदेशी-आधारित ड्रग कार्टेल से जुड़े प्रमुख हवाला किंगपिन दरगाराम रताजी प्रजापति को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी समन्वित अभियानों की श्रृंखला के अंतर्गत मुंबई, दिल्ली, राजस्थान और गोवा में हुई कई गिरफ्तारियों के बाद आई।

मुंबई में हवाला कारोबार चलाने वाले दरगाराम को इंस्पेक्टर के. प्रवीण कुमार के नेतृत्व वाली टीम ने गिरफ्तार किया, और छापेमारी के दौरान 3 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। जांच में सामने आया कि मुंबई के एक व्यवसाय का हवाला नेटवर्क मादक दवाओं के विक्रय



से प्राप्त आय को धोने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

पूछताछ में दरगाराम ने नाइजीरिया में ड्रग की आय भेजने वाले व्यापक हवाला नेटवर्क में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसके साथी चेतन सिंह, रौनक

प्रजापति (प्रबंधक) और चेतन मावजी मुंबई कार्यालय में नकदी संग्रह और स्थानांतरण करते थे। पुलिस ने अहमदाबाद और नई दिल्ली में अन्य हवाला केंद्रों की पहचान की। एजेंट मुख्य रूप से नाइजीरियाई नागरिकों से ड्रग से

जुड़े हवाला धन की वसूली करते थे, और इस धन को कपड़े, वस्त्र और मानव बालों के निर्यात के भुगतान के रूप में नाइजीरिया भेजा जाता था।

गिरफ्तार विदेशी नागरिक ओ-नेइसी एसोमची केनेथ ने भारत में

ड्रग व्यापार के लिए नकली पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था, जिससे अवैध गतिविधियों के लिए फिर से देश में प्रवेश संभव हुआ।

दरगाराम की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में कुल 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और 3.084 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने जनता से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध विदेशी नागरिक या हवाला लेनदेन की सूचना देने का आह्वान किया है।

एक अधिकारी ने कहा, विदेशी ड्रग कार्टेल भारतीय युवाओं को निशाना बना रहे हैं, उनकी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं और अवैध माध्यमों से पैसे की हेराफेरी कर रहे हैं। ईगल फोर्स इन नेटवर्कों को ध्वस्त करने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मलकाजगिरी में एक करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स के साथ अंतरराज्यीय तस्करी गिरफ्तार



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मलकाजगिरी स्पेशल ऑपरेशन टीम और कीसरा पुलिस ने 10 अक्टूबर को एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी को कुंदनपल्ली ओआरआर रोटी के पास गिरफ्तार किया। आरोपी राजस्थान का 26 वर्षीय लोकेश बोरेठ है, जो हाल ही में राजस्थान के एक होटल में मैनेजर की नौकरी से निकाला गया था।

लोकेश ने एक बड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क के हिस्से के रूप में हैदराबाद और चेन्नई में ड्रग्स बेचकर धन कमाने की योजना बनाई थी। वह अगस्त में कांचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास दो किलोग्राम अफीम एक रिसीवर को पहुंचा चुका है। 8 अक्टूबर को वह फिर से 7 किलोग्राम अफीम और 2 किलोग्राम पोस्ता लेकर राजस्थान से ट्रेन में सवार हुआ और हैदराबाद आया।

लोकेश को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह कुंदनपल्ली ओआरआर रोटी के पास एक अज्ञात व्यक्ति को ड्रग्स सौंप रहा था। उसका साथी जगदीश गुजर अभी फरार है। राचकोंडा पुलिस ने मादक पदार्थों की खरीद, बिक्री, परिवहन, और सेवन के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 31ए के तहत अवैध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर 10 साल तक की सजा या मृत्युदंड हो सकता है।

हैदराबाद जुबली हिल्स उपचुनाव

आदर्श आचार संहिता का सख्त कार्यान्वयन

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उपचुनाव को देखते हुए, चुनाव अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर रहे हैं। इस सख्त प्रवर्तन अभियान के तहत, कुल 1,967 राजनीतिक प्रचार सामग्री - जिसमें पोस्टर, दीवार लेखन और बैनर शामिल हैं - को हटाया गया है, शुक्रवार को यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया। इनमें से 1,315 सरकारी संपत्तियों पर और 652 निजी परिसरों में पाए गए थे। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि आदर्श आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जो पूरी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। जुबली हिल्स विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव 11 नवंबर को आयोजित किया जाएगा और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन क्षेत्र में कुल 3.99 लाख मतदाता हैं, जिनमें 2.07 लाख पुरुष और 1.91 लाख महिला मतदाता शामिल हैं।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर 16.5 लाख रुपए मूल्य के गांजे के साथ दो गिरफ्तार



हैदराबाद, 10 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े मामले में, जीआरपी ईगल टीम और आरपीएफ पुलिस ने तेलंगाना एनएबी अधिकारियों के साथ समन्वय में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर दो व्यक्तियों को गांजा तस्करी के

आरोप में गिरफ्तार किया।

छापेमारी में लगभग 33 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 16.5 लाख है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान राजेश बिसोई (पुत्र कुमार बिसोई) और सुजाता सिंह (पत्नी सरज कुमार) के रूप में हुई, जो दोनों

ओडिशा के निवासी हैं।

रेलवे डीएसपी एसएन जावेद के अनुसार, दोनों आरोपी किशोर लीमा नामक व्यक्ति के निर्देश पर ओडिशा से मुंबई तक गांजा ले जा रहे थे। प्रारंभिक जांच से पता चला कि वे एक बड़े अंतर-राज्यीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हैं।

अधिकारियों ने गिरफ्तारी के बाद जांच जारी रखी है, अन्य सदस्यों की पहचान और पट्टा लगाना जारी है। आरोपी हिरासत में हैं और पुलिस ने जनता से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने का आग्रह किया है।

शुभ लाभ

**का वार्षिक
सब्सक्रिप्शन लें और
उतने ही मूल्य का
विज्ञापन छपवाएं**

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक **शुभ लाभ** वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कیم में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्रामि-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए **8688868345** पर संपर्क करें।

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account : 512120020029300
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464



शुभ लाभ R. No. 5305

SPACE COUPON Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh

Rs. 2500/- Validity : 1 Year from the time of Issue

SUBSCRIPTION FORM

Name :

Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-

Mode of Payment : CHEQUE / D.D.

Cheque No. & Date : Drawn :

Name of the Executive :

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, T19 Towers, Rangunji, Secunderabad-500 003 (T.S.)